माघ शुक्ल पक्ष - 2, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 197 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल

20 जनवरी 2026 मंगलवार

आज का मौसम

24.0 अधिकतम

9.8 न्यूनतम

न्यूज विंडो

नीरव मोदी मामला, ब्रिटेन ने दिल्ली कोर्ट से मांगी मदद

नई दिल्ली। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के केस पर कार्रवाई करने के लिए ब्रिटेन की अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट से मदद मांगी है। हाईकोर्ट ने इस मामले में भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की अपील की है। हाईकोर्ट का कहना है कि केंद्र की सहायता के बिना ये कार्रवाई नहीं की जा सकती है। नीरव मोदी केस में बैंक ऑफ इंग्लैंड और वेल्स को बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी का बयान दर्ज करना है। इसके लिए ब्रिटेन की कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को पत्र लिखा है।

काबुल के होटल में धमाका कई लोगों की जान गई

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के शाहर-ए-नौ इलाके में एक होटल में एक जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई और अनेक अन्य घायल हो गए। यह इलाका आमतौर पर काबुल के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में गिना जाता है, जहां होटल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और विदेशी नागरिकों की मौजूदगी रहती है। तालिबान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने विस्फोट की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि घटना की विस्तृत जांच जारी है और जल्द ही और जानकारी साझा की जाएगी।

अश्लील वीडियो कांड पर एक्शन, डीजीपी राव सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक के डीजीपी के रामचंद्र राव पर सख्त एक्शन लेते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। उनके कई अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें वो महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद कर्नाटक में बवाल मच गया। वहीं, रामचंद्र ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उनका कहना है कि उन्हें फंसाया जा रहा है। वीडियो कांड के बाद रामचंद्र कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से भी मिलने पहुंचे थे, मगर दोनों की मुलाकात नहीं हो सकी।

राष्ट्रगान को सम्मान न मिलने से राज्यपाल नाराज

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल आर एन रवि के बीच एक बार फिर नोंक-झोंक की खबरें सामने आ रही हैं। आर एन रवि विधानसभा सत्र को बीच में छोड़कर बाहर चले गए। उन्होंने तमिल एंथम के बाद राष्ट्रगान बजाने की मांग की थी, जिसे स्पीकर अप्पावु ने मानने से इनकार कर दिया। ऐसे में आर एन रवि सदन को संबोधित किए बिना ही कार्रवाई का बहिष्कार कर दिया। राज्यपाल ने तीसरी बार सदन का बहिष्कार किया है। इससे पहले उन्होंने 2024 और 2025 में भी भाषण नहीं दिया था। राज्यपाल आर एन रवि ने कहा, 'मुझे बहुत दुख है कि राष्ट्रीय गान को सम्मान नहीं दिया जा रहा है। ये दुर्भाग्य है कि संबोधन में बाधा पड़ी है।

आज का कार्टून

भाजपा में शुरू हुआ 'नबीन' अध्याय

मोदी बोले- नितिन जी अब मेरे बॉस, मेरी सीआर यही लिखेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

नितिन नबीन भाजपा के निर्विरोध 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। आज भाजपा मुख्यालय में इसका ऐलान किया गया। नबीन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भाजपा ऐसी पार्टी है, जहां लोगों को लगता होगा कि मोदीजी इतनी छोटी उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। हेड ऑफ द गवर्नमेंट बन गए हैं। इन सबसे बड़ी चीज है कि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं। लेकिन मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं, मैं कार्यकर्ता हूं।

पीएम ने कहा कि जो कांग्रेस की बुराइयों से बचेगा, वही देश में आगे बढ़ेगा। पीएम ने कहा, आज का पल हम सबके लिए बहुत विशेष पल है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मार्गदर्शन करने वाले हैं, उनका एक-एक शब्द हमारी आगे की दिशा होगी। उनका मार्गदर्शन हमारी पूंजी होगी। मैं भी कार्यकर्ता के तौर पर अपने काम का हिसाब दे रहा था और अब वो मेरी सीआर लिखेंगे। पीएम ने कहा, देश के लिए परिवारवाद बहुत बड़ा अभिशाप है। दुर्भाग्य से कांग्रेस में एक के बाद एक उनके परिवार के अध्यक्ष ही बनते हैं। पार्टी के कार्यकर्ता को उनके विचार से कोई लेना देना नहीं। ये लोकतंत्र के लिए खतरनाक हैं। परिवारवाद की राजनीति ने देश के युवाओं के लिए राजनीति में आने के रास्ते बंद कर दिए हैं। इसलिए मैं एक लाख ऐसे युवाओं को राजीनिति में लाना चाहता हूं जिनके परिवार से वे पहली बार राजनीति में आएंगे।

आने वाले 25 साल बहुत महत्वपूर्ण

पीएम ने कहा, ये 21वीं सदी है, देखते ही देखते पहले 25 साल तो पूरे भी हो चुके हैं। आने वाले 25 साल बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये वो कालखंड है जब विकसित भारत का निर्माण होना है और तय है। इस कालखंड की शुरुआत में नितिनजी बीजेपी की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। पीएम ने कहा, 'दुनिया के बड़े देश भी अपने यहां घुसपैठियों की जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई उनको नहीं पूछ रहा है। दुनिया में कोई अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं करता। भारत भी घुसपैठियों को देश को लूटने नहीं दे सकता।

राजनीति शॉर्टकट नहीं, लंबी मैराथन रेस की तरह- नितिन

पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि कार्यकर्ता आधारित राजनीति भाजपा की सोच है। भाजपा की सोच सर्वव्यापी और सर्वग्राही है। उन्होंने कहा कि हमने कार्यकर्ता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशसेवा के काम करते हुए देखा है। उन्हें देख कर ही सीखा है कि जो व्यक्ति खुद को लोगों की भावनाओं से जुड़ने वाला बना सकता है, वही बड़ा शख्स बनता है। उन्होंने पीएम मोदी के साथ एक कार्यक्रम में बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, 'मुझे याद है कि जब मैंने पहली बार गुजरात के आनंद में आपके साथ एक कार्यक्रम में भाग लिया था। उस वक्त मैं राष्ट्रीय महासचिव था और मैंने सद्भावना मिशन कार्यक्रम के दौरान आपको प्रत्येक व्यक्ति की बात ध्यान से सुनते हुए देखा था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद, जब आपने अपने ग्रीन रूम में हमसे बात की तो आपने बड़ी भावुकता से समझाया कि गुजरात से इतने सारे लोग क्यों आए थे। उस दिन मुझे समझ आया कि एक व्यक्ति तभी महान बनता है, जब वह जनता की भावनाओं से जुड़ता है।' उन्होंने कहा कि हम राष्ट्र प्रथम के नारे से आगे चलते हैं। भाजपा में राजनीति पदभार नहीं, उत्तरदायित्व है। भाजपा अगर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है तो प्रेरणादायी नेतृत्व, विचारधारा और कार्यकर्ता हैं। नितिन नबीन ने कहा वर्तमान पीढ़ी को अपने हिस्से का पुरुषार्थ, त्याग और तपस्या करनी होगी। युवाओं की बात करते हुए उन्होंने कहा, 15 अगस्त 2024 को पीएम मोदी ने युवाओं को सार्वजनिक जीवन में आने का आह्वान किया था। मैं युवाओं से कहना चाहूंगा, राजनीति से दूरी समाधान नहीं,सक्रिय भागीदारी ही समाधान है। लेकिन राजनीति शॉर्टकट नहीं है, राजनीति 100 मीटर की रेस नहीं है। राजनीति लॉन्ग मैराथन है, जहां पर स्पीड का नहीं स्टैमिना का टेस्ट होगा, इसलिए जरूरी है कि राजनीति की पिच पर हम अपनी जड़ों को मजबूत करके बैटिंग करें।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी भारत -यूरोप दोस्ती की झलक

पहली बार शामिल होगा यूरोपीय देशों का मिलिट्री दस्ता

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत और 27 देशों के यूरोपियन यूनियन में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है और 27 जनवरी को ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में इसके निष्कर्ष की घोषणा हो सकती है। खास बात यह भी है कि इस साल यूरोपियन यूनियन के ही नेता 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हैं। यूरोपियन यूनियन के साथ संधि सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि इस मौके पर दोनों ही पक्षों के बीच सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में आपसी भागीदारी को लेकर भी चर्चा होने वाली है। खबरें आ रही हैं कि इस बार भारत और यूरोपियन यूनियन व्यापार, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में तो हाथ मिला ही रहे हैं, यूरोप के देशों का एक मिलिट्री दस्ता गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर परेड में भी हिस्सा लेने वाला है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि यूरोपियन यूनियन का सैन्य दस्ता इस तरह से भारत के गणतंत्र दिवस के प्रमुख परेड में शामिल हो रहा हो। यह तेजी से बदलती जियोपॉलिटिक्स के लिए वैश्विक स्तर पर मील का पत्थर साबित हो सकता है। रिपब्लिक डे पर अतिथि के रूप में शामिल होने की वजह से यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन 25 से 27 जनवरी तक भारत के राजकीय दौरे पर रहने वाले हैं।

व्यापार संधि पर जल्द दस्तखत: भारत-यूरोपियन यूनियन शिखर सम्मेलन में अभी तक की बातचीत के निष्कर्षों का एलान होना है और संभावना है कि मुक्त व्यापार संधि पर आने वाले कुछ महीनों में हस्ताक्षर भी हो जाएंगे। बातचीत संपन्न होने के बाद कुछ कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होनी हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद सरकार निकालेगी 'फांस'

'डैमेज कंट्रोल' के लिए विजय शाह की होगी छुट्टी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के कद्दावर मंत्री विजय शाह अब कानूनी और राजनीतिक रूप से बुरी तरह फंस गए हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट कह चूका है कि अब माफी मांगने में बहुत देर हो चुकी है। कोर्ट के इस कड़े रुख के बाद अब मोहन यादव सरकार में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी आलाकमान डैमेज कंट्रोल के लिए विजय शाह से इस्तीफा मांग सकता है या फिर शाह स्वयं स्वास्थ्य या अन्य कारणों का हवाला देकर पद छोड़ सकते हैं। सियासी गलियारों में यह भी चर्चा है कि अगर भाजपा ने जल्द कदम नहीं उठाया तो संभव है कि अगली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ही उन्हें पद से हटाने का सख्त निर्देश दे दे। गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रदेश सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर केस चलाने की मंजूरी देने के संबंध में दो सप्ताह के भीतर फैसला लिया जाए। अदालत ने कहा कि एसआईटी अपनी जांच रिपोर्ट सौंप चुकी है और अब राज्य सरकार को बीएनएस 2023 की धारा 196 के तहत अपनी स्थिति साफ करनी होगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सेना की एक महिला अधिकारी के सम्मान से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर कोर्ट की नाराजगी सरकार की छवि धूमिल कर रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल का कार्ड खेल सकते हैं, जिसमें विजय शाह को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। कर्नल सोफिया को लेकर विजय शाह ने विवादित बयान दिया था। कुछ दिनों तक पार्टी और सरकार ने शुरुआत में उनसे दूरी बना ली थी। शाह ने माफी मांगी। मामला ठंडा पड़ा तो वह कैबिनेट की मीटिंग में दिखने लगे। अब सुप्रीम कोर्ट ने फिर से सख्त रूख अख्तियार किया है तो उनकी मुश्किलें बढ़ जाएगी।

सक्सेस स्टोरी | कोचिंग नहीं, ऑनलाइन क्लासेस और सरकारी लाइब्रेरी के सहारे हासिल की सफलता

मां बीड़ी श्रमिक, पिता बस कंडक्टर... बेटी बन गई आईपीएस अफसर

चेन्नई, एजेंसी

जीत का जूनून हो और बुलंद हौसले तो मंजिल तक पहुँचने से कोई नहीं रोक सकता। यह साबित कर दिखाया है 25 वर्षीय एस. इन्बा ने । तमिलनाडु के गरीब परिवार से आने वाली इन्बा ने। उन्होंने IPS अफसर बनकर न सिर्फ अपने परिवार का मान बढ़ाया है, बल्कि उन तमाम लड़कियों का हौसलों बढ़ाया है जो सीमित संसाधनों में भी कुछ बनने का सपना देख रही हैं। इन्बा की सक्सेस स्टोरी किसी मिसाल से कम नहीं है। एस. इन्बा, तमिलनाडु के तेनकासी जिले के सेंगोट्टई की रहने वाली हैं। प्राकृतिक सुंदरता के लिए पहचाने जाने वाले इस शहर को दक्षिण तमिलनाडु का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। इन्बा की मां एक फैक्ट्री में बीड़ी बनाने का काम करती हैं और पिता श्रीनिवासन बस कंडक्टर हैं। आर्थिक तंगी के चलते परिवार का खर्च मुश्किल से चलता है। इन्बा ने परिवार को बेहतर जिंदगी देने के लिए सरकारी नौकरी का सपना देखा था, लेकिन यह इतना आसान नहीं था।

भाई के त्याग और प्रेरणा का योगदान: एस. इन्बा आज जो कुछ भी हैं उसके पीछे भाई का त्याग और प्रेरणा है। इन्बा के भाई बालामुरली आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से ज्यादा नहीं पढ़ पाए। इन्बा ने एक इंटरव्यू में कहा था, मेरे पिता श्रीनिवासन भी दिहाड़ी मजदूर हैं, इसलिए हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। मैं भी सोच रही थी कि क्या मुझे परिवार को सहारा देने के लिए नौकरी करनी चाहिए। तब मेरे भाई बालामुरली ने मुझे यूपीएससी परीक्षा देने के लिए सबसे ज्यादा प्रेरित किया। मेरा ज्यादातर खर्च भी भाई ने उठाया। बालामुरली ने डिप्लोमा किया है और सऊदी अरब में एक गैस कंपनी में काम करते हैं। इन्बा ने साल 2020 में कोयंबटूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीई कंप्यूटर साइंस की डिग्री हासिल की । उनका सपना यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा पास करके आईएएस बनने का था। सेंगोट्टई में सरकारी पब्लिक लाइब्रेरी उनके लिए ढाई साल तक दूसरा घर बन गई थी। उन्होंने ऑनलाइन क्लासेस लीं।

सरकारी योजना से मिला फायदा

सेल्फ स्टडी और ऑनलाइन पढ़ाई यूपीएससी एग्जाम के लिए काफी नहीं थी। इसलिए इन्बा दो बार यूपीएससी सिविल सर्विसेज प्रीलिम्स में असफल रहीं। साल 2023 में दूसरे अटेंप्ट में फेल होने के बाद, उन्हें तमिलनाडु सरकार की 'नान मुधलवन योजना' के बारे में पता चला, जिसका उद्देश्य गरीब परिवार की लड़कियों को फ्री में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराना है। योजना के तहत मिलने वाली 7,500 रुपये की मासिक सहायता ने तैयारी के लिए चेन्नई में रहने में मदद की।

तीसरे अटेंप्ट में हो गया सिलेक्शन

इस बार इन्बा की तैयारी पक्की और हौसला बुलंद था। उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 का फॉर्म भरा। यह उनका तीसरा अटेंप्ट था। इस बार उन्होंने प्रीलिम्स, मेन्स और फिर इंटरव्यू तीनों राउंड क्रैक किए और 851वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल की।

मेट्रो निर्माण ने बढ़ाई पुराने भोपाल की मुश्किलें, ट्रैफिक जाम से जनता त्रस्त

भोपाल के पुराने शहर में चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह बिगाड़ कर रख दिया है। सड़कों पर जगह-जगह खुदाई, बैरिकेडिंग और वैकल्पिक मार्गों की स्पष्ट व्यवस्था न होने के कारण रोजाना घंटों जाम की स्थिति बन रही है। सुबह से लेकर देर रात तक वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और स्थानीय रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेट्रो कार्य के चलते कई प्रमुख मार्ग संकरे हो गए हैं, वहीं कुछ जगहों पर एकतरफा यातायात भी ठीक से लागू नहीं किया जा रहा। परिणामस्वरूप स्कूली बच्चे, ऑफिस जाने वाले कर्मचारी, व्यापारी और एंबुलेंस जैसी आपात सेवाएं भी जाम में फंस जाती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले जो दूरी कुछ मिनटों में तय हो जाती थी, अब वही रास्ता तय करने में आधा से एक घंटा लग रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि लगातार लगने वाले जाम के कारण बाजारों में ग्राहकों की संख्या कम हो रही है, जिससे व्यापार पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं रहवासियों का कहना है कि धूल, शोर और ट्रैफिक अव्यवस्था ने दैनिक जीवन को बेहद कठिन बना दिया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन की ओर से ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नजर नहीं आ रही। न तो पर्याप्त संकेतक लगाए गए हैं और न ही जाम वाले इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है।

पोर्टल और ऐप पर दिखेगा पाइपलाइन नेटवर्क

रोबोट की मदद से पता चलेगा पानी व सीवर लाइन का लीकेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदौर में दूषित पानी के कारण 24 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना ने राज्य की शहरी जलापूर्ति व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब मध्यप्रदेश का नगरीय प्रशासन विभाग एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। अब प्रदेश के सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषदों की वाटर सप्लाई और सीवर लाइन का पूरा रूट-मैप एक ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा, जिससे पूरे नेटवर्क की डिजिटल निगरानी संभव हो सकेगी।

413 नगरीय निकाय होंगे कवर: नगरीय प्रशासन विभाग के GIS एक्सपर्ट देवराज त्रिपाठी ने बताया कि AMRUTREKHA नाम का पोर्टल और मोबाइल ऐप तैयार किया है। इसमें प्रदेश की 413 नगरीय निकायों की वाटर सप्लाई और सीवरेज लाइन की मैपिंग कर अपलोड की जा रही है। फील्ड इंजीनियर इसकी निगरानी करेंगे। इंदौर की घटना के बाद अब हम सभी ओवरहेड टैंक (OHT) की मॉनिटरिंग करेंगे। OHT के पैरामीटर के अनुसार प्रॉपर क्लीनिंग कराई जाएगी और उसका वीडियो पोर्टल पर अपलोड होगा। यानी फील्ड पर फिजिकल काम भी होगा और ऑनलाइन निगरानी भी। जहां वाटर और सीवर लाइन आपस में मिलती हैं, उन इंटर सेक्शन पॉइंट्स को पोर्टल पर यलो मार्क से चिह्नित किया जाएगा। जहां इंटरसेक्शन पॉइंट होंगे, वहां रोबोटिक सिस्टम से जांच होगी। बिना खुदाई रोबोट बताएगा कि लीकेज है या नहीं। लीकेज मिलने पर तुरंत सुधार होगा। पहले चरण में सभी 413 नगरीय निकायों के OHT को पोर्टल से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला जारी है। अब तक 23 मौत हो चुकी है। अभी 39 मरीज एडमिट हैं, जिनमें से 10 आईसीयू में हैं। इनमें भी तीन वेंटिलेटर पर हैं। मौतों को लेकर अभी भी क्षेत्र में दहशत है।

बिना खुदाई रोबोट सेंस पता लगाएगा

जहां-जहां इंटर सेक्शन पॉइंट होंगे, वहां रोबोटिक सिस्टम से जांच की जाएगी। बिना खुदाई रोबोट सेंस करेगा कि लीकेज है या नहीं। लीकेज मिलने पर तुरंत मरम्मत कराई जाएगी। लीकेज नहीं मिलने पर अगला पॉइंट चेक किया जाएगा। हर एलबी क्षेत्र में वाटर सीवर जंक्शन पॉइंट तय किए जाएंगे व नियमित रोबोटिक इंस्पेक्शन होगा।

मोबाइल ऐप से फील्ड मॉनिटरिंग

अमृत रेखा दो हिस्सों में काम करेगा। वेब पोर्टल में अधिकारियों के लिए पूरा नेटवर्क डेटा मौजूद रहेगा। मोबाइल ऐप के जरिए फील्ड इंजीनियरों द्वारा ग्राउंड वेरिफिकेशन कर रिपेयरिंग कराई जाएगी।

एआई और नई दवाओं से खुल सकेगी इलाज की राह

एम्स के वैज्ञानिकों ने खोजा कारण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कैंसर बेहद जटिल और भयावह बीमारी है। विशेषज्ञों के अनुसार कई कैंसर खासकर स्तन, फेफड़े और अग्नाशय के ट्यूमर इसलिए बेहद घातक बन जाते हैं क्योंकि उनके भीतर ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जाती है। इस स्थिति को हाइपोक्सिया कहा जाता है, जिसके कारण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है और मरीज पर इलाज बेअसर हो जाता है। लेकिन एम्स भोपाल ने कैंसर उपचार की जटिल पहेली को सुलझाने को एक नयी दिशा खोज निकाली है। एम्स में जैवरसायन विभाग से जुड़े वैज्ञानिक डॉ सुखेस मुखर्जी और प्रो। जगत राकेश कंवर द्वारा संपादित हाइपोक्सिया और ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट विषय पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया। स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक के माध्यम से शोधकर्ताओं ने कैंसर के इलाज में उपचार का बेअसर होने की वजह ढूंढ निकाली है। रिसर्च में बताया गया है कि हाइपोक्सिया ट्यूमर को केवल बढ़ावा ही नहीं देता बल्कि रेडियोथेरेपी कीमोथेरेपी और यहां तक कि उन्नत इम्यूनोथेरेपी के प्रभाव को भी कम कर देता है। जिसके कारण कई मरीजों में इलाज के बाद भी बीमारी फिर उभर आती है। इसमें यह समझाया गया है कि किस तरह हाइपोक्सिया कैंसर कोशिकाओं को जीवित रहने लड़ने और बार-बार विकसित होने की शक्ति देता है। यह कोशिकाओं को बदलने के लिए मजबूर करता है।

आखिर कैसे मिले स्वच्छ जल... वर्षों से पानी जांचने वालों के पद हैं खाली

पानी फिल्टर की नहीं मिलती जानकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में शुद्ध पेयजल लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है, क्योंकि स्वच्छ पेयजल की जिम्मेदारी नगर निगम में केमिस्ट, फिल्टर मीडिया ऑपरेटर और असिस्टेंट मीडिया ऑपरेटर की होती है और ताज्जुब की बात है कि इन पदों पर वर्षों से भर्ती नहीं हुई है।

आज स्थिति यह है कि पानी की शुद्धता जांचने वाला एक भी योग्य अधिकारी-कर्मचारी नहीं है। वहीं फिल्टर प्लांट पर लॉग बुक नहीं है, जिससे पानी के फिल्टर की जानकारी ही नहीं मिल पाती है, इसकी वजह से शहर में अशुद्ध पानी सप्लाई हो रही है। पानी की जांच के लिए बैरागढ़, बीएचईएल, सीएम हाउस के पास यार्डक्लब और पुलबोगदा में चार लैब है और चारों ही जगह महत्वपूर्ण पद खाली है। नगर निगम के सभी वार्डों के लिए एक वालमैन स्वीकृत था, जो जल प्रदाय के दौरान जनता के घरों में जाकर पानी की शुद्धता की जांच करता था। जानकारी के अनुसार नगर निगम के किसी पंप हाउस पर लॉग बुक नहीं है, जिससे पानी के सप्लाई और फिल्टर की जानकारी विभाग को मिल पाती है। लॉग बुक में पानी की सभी जानकारी इंद्राज की जाती थी, जैसे कितना मिलियन क्यूबिक लीटर पानी फिल्टर हुआ और कितना कचरा निकला। कितना पानी शुद्ध होकर जनता का सप्लाई किया गया। इस वजह से पानी के फिल्टर की जानकारी नहीं मिल पाती है। नगर निगम में पीएचई विभाग से एक केमिस्ट हैं मनोज निगम जिन्हें नगर निगम में मर्ज किया है। वर्तमान में विधानसभा के सामने स्थित पीएचई के कार्यालय पर बैठते हैं। वहां पर पानी शद्धिकरण की लैब है। नगर निगम के किसी भी लैब पर कार्य नहीं देखते हैं, जबकि उनको नगर निगम से वेतन मिलता है।

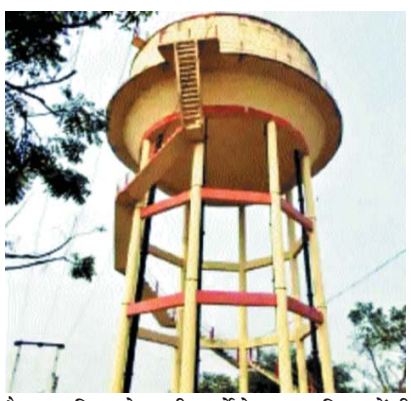

आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए बनी कार्ययोजना

तीन दिवसीय वैद्य 1.0 का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्वास्थ्य परंपरा आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'ग्लोबल वैद्य 1.0' के अंतर्गत एक अंतरराष्ट्रीय पंचकर्म इंटर्नशिप प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह आयोजन धर्म आयुर्वेद एवं दक्षिण कोरिया के वेलपार्क हॉस्पिटल के संयुक्त प्रयास से हुआ। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में देश-विदेश से 40 से अधिक अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद की वैश्विक उपयोगिता, भारतीय संस्कृति के अमृत तत्व पंचकर्म चिकित्सा, एवं इसके वैज्ञानिक पक्षों पर गहन चिंतन-मंथन हुआ। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ जुड़े। दक्षिण कोरिया से डॉ। किम मियांग ने विशेष संबोधन दिया। इसके अतिरिक्त वैद्य नितिन अग्रवाल (ब्लिस आयुर्वेद यूरोप), डॉ. श्याम वी पिल्लई (दुबई) डॉ. हरिश पाटणकर (रशिया), डॉ. राज सातपुते (यूएई), डॉ. मनीषा मिश्रा ने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण सत्रों में मेंटर्स वैद्य आस्था जैन एवं वैद्य दीक्षा आर्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के सूत्रधार वैद्य चंद्रकांत तिवारी रहे। धर्म आयुर्वेद के संस्थापक वैद्य प्रशांत तिवारी एवं वैद्य जया सिंह ने बताया कि आयुर्वेद के वैश्विक प्रसार की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वे विगत पाँच वर्षों से दक्षिण कोरिया में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

अधूरेपन के अहसास और पूर्णता की संतुष्टि के साथ चहल कदमी करती लघुकथा - डॉ. कंधवे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं निदेशक विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र म्यांमार से जुड़े डॉ. आशीष कंधवे ने कहा कि लघुकथा अधूरेपन के अहसास और पूर्णता की संतुष्टि के साथ चहलकदमी करती है । लघुकथा को जटिलता से बचाना है । डायरी केवल घटनायें नहीं तात्कालिक परिस्तिथियों का दस्तावेज होती हैं। डॉ कन्धवे लघुकथा शोध केंद्र आयोजित पुस्तक पखवाड़े के अंतर्गत पुस्तक विमर्श के अठारहवें सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे ।आरम्भ में केंद्र की निदेशक कांता रॉय ने स्वागत उदबोधन दिया। डॉ. ममता माली के संचालन में गोष्ठी आरम्भ हुई। सर्वप्रथम

'घटती जिंदगी बढ़ती लालसाएं' लघुकथा संग्रह पर चर्चा हुई। इसकी लेखक-डॉ. कल्याणी कुसुम सिंह हैं। समीक्षक कांता रॉय ने कहा कि संग्रह की लघुकथाएं परम्पारिक और आधुनिक दोनों विषयों पर दृष्टि रखती हैं। उनके कथानक अनावश्यक विस्तार लिए नहीं है। स्त्री विमर्श की प्रभावी लघुकथाएं हैं। लेखिका की दूसरी कृति सतीश राज पुष्करणा की लघुकथाओं में जीवन के विविध आयामों का शोध परक अध्ययन पर चर्चा करते हुए विमर्शकार घनश्याम मैथिल अमृत ने बताया कि यह कृति हमारे पुरोधा लघुकथाकार की लघुकथाओं के साथ उनकी सृजन प्रक्रिया, उनके विषय वस्तु कथ्य एवं शिल्प से साहित्यकारों को परिचित करवाती है। इस आयोजन की तीसरी कृति थी डायरी में श्रीराम कहानी । इसके लेखक हैं डॉ. राजेश श्रीवास्तव। डॉ. श्रीवास्तव ने इसके विषय, सामग्री पर अनुभव साझा किए। अंत में लेखकों ने केंद्र का आभार प्रकट किया।

आंचलिक विज्ञान केन्द्र में व्याख्यान का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आंचलिक विज्ञान केन्द्र में प्रतिष्ठित सैद्धांतिक वैज्ञानिक प्रो अशोक सेन ने एकीकृत सिद्धांत की खोज विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि ब्रह्मांड में जो ज्ञात है और जो अज्ञात है उनके बीच अंतर समझना ही ज्ञान की शुरुआत है। उन्होंने बताया वैज्ञानिक लंबे समय से प्रकृति के सभी नियमों को एक सूत्र में समझने का प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत मूल कणों स्ट्रिंग सिद्धांत क्वांटम गुरुत्वाकर्षण और ब्लैक होल जैसे जटिल विषयों पर वैज्ञानिक अनुसंधान जारी है। प्रो. सेन ने युवाओं से कहा कि वे केवल तथ्यों को याद न करें बल्कि अवधारणाओं को गहराई से समझने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि करियर का चुनाव करते समय जिज्ञासा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। यही वैज्ञानिक सोच को मजबूत बनाता है।

वर्तमान परिस्थितियों पर 'वरिष्ठ विमर्श' किया

यूएनओ के जल्द पुनर्गठन की महती आवश्यकता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गतिविधियां लोकतांत्रिक मूल्यों का ह्रास कर रही हैं। आज ऐसा लगता है कि यूएनओ की स्थिति क्षीण होती जा रही है। ऐसे में यूएनओ का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। हालांकि वर्तमान स्थितियों में भले ही हम यूएनओ की प्रासंगिकता पर सवाल उठायें लेकिन यूएनओ की आवश्यकता हमेशा रहेगी, उसके सदस्यों की संख्या बढ़ाक र उसे और मजबूत बनाना चाहिए। इस तरह के विचार हिंदी भवन में सुनाई दिये।

अवसर था मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की नियमित श्रृंखला वरिष्ठ विमर्श का। इस बार 'ट्रंप की नीतियों से संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाएं अप्रासंगिक हो गई हैं? विषय पर विचार-विनिमय हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव अधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मनोहर ममतानी कर रहे थे। अध्यक्षता पूर्व प्रशासनिक अधिकारी केसी श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम में स्टेट लॉ कॉलेज की प्राचार्य डॉ. विश्वास चौहान विशेष रूप से उपस्थित थे।

चर्चा की शुरुआत टीवी पत्रकार राजेश बादल ने की। उन्होंने कहा कि ट्रंप की गतिविधियां लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। ऐसे में यूएन की खामोशी भी चिंताजनक है। वरिष्ठ पत्रकार सुधीर सक्सेना का मत था कि आज ऐसा लग रहा है कि यूएनओ की स्थिति क्षीण हो रही है। उसका पुनर्गठन किया जाना चाहिए। डॉ। विश्वास चौहान ने कहा कि यूएनओ के अनुषांगिक संगठनों को आगे आना चाहिए। उसे मजबूत बनाने के लिए आर्थिक सहायता बढ़ानी होगी।

मुख्य अतिथि मनोहर ममतानी ने कहा कि वर्तमान स्थितियों में भले ही यूएनओ अप्रासंगिक लगे लेकिन उसकी आवश्यकता हमेशा रहेगी। अध्यक्ष केसी श्रीवास्तव ने कहा कि आज ट्रंप अपनी नीतियों से भटक गये हैं। उसके सदस्य बढ़ाये जाने चाहिए। चर्चा में बीके सांघी,अशोक धमेनियां, गोकुल सोनी, राजकुमारी शर्मा तथा दिशा पाठक आदि ने भी विचार रखे। संचालन संयोजक महेश सक्सेना ने किया।

मेट्रो एंकर चंदूखेड़ी अकादमी में हुआ दीक्षांत परेड समारोह, सशस्त्र सीमा बल अकादमी के प्रशिक्षु पुरस्कृत

प्रशिक्षुओं ने किया मार्चपास्ट, संविधान की शपथ दिलाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

44 प्रशिक्षु अधिकारियों के दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन सशस्त्र सीमा बल अकादमी चंदूखेड़ी में किया गया। इसके मुख्य अतिथि संजय सिंघल (आईपीएस) महानिदेशक सशस्त्र सीमा बल थे। सशस्त्र सीमा बल अकादमी के परेड ग्राउंड में दीक्षांत परेड द्वारा अजीत सिंह राठौड़, उपमहानिरीक्षक, कमांडेंट, बलराम सिंह जसवाल, उपमहानिरीक्षक, कार्यवाहक निदेशक सशस्त्र सीमा बल अकादमी भोपाल एवं मुख्य अतिथि संजय सिंघल महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल को सलामी दी गई। मुख्य अतिथि सिंघल द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। इसके बाद सशस्त्र सीमा बल के बैंड दस्ते की मधुर धुनों पर परेड में शामिल टुकड़ियों ने मार्चपास्ट किया। इसके बाद प्रशिक्षु अधिकारियों को भारतीय संविधान को साक्षी मानकर शपथ दिलाई गई। इस दौरान अतिथियों ने प्रशिक्षु अधिकारियों को पुरस्कृत किया।

वैवाहिक पत्रिका का विमोचन 1 फरवरी को

भोपाल। निषादवंशीय माझी, कीर, कहार, केवट, ढीमर, भोई, मल्लाह, मझवार, रायकवार, बाथम जन कल्याण समिति भोपाल द्वारा समाज के विवाह योग्य युवक-युवती की वैवाहिक पत्रिका 2026 का प्रकाशन किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष सुभाष रायकवार ने बताया कि इसमें प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पंजीकृत 450 विवाह योग्य युवाओं की जानकारी का समावेश किया गया है। 1 फरवरी को पत्रिका का विमोचन समिति के मुख्य संरक्षक पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता भोईपुरा बुधवारा भोपाल में करेंगे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश के छात्रों को किया संबोधित, कहा-

21वीं सदी भारत की होगी, स्वामी विवेकानंद की भविष्यवाणी हो रही है साकार

प्रदेश में निवेश, उद्योग और रोजगार के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद की यह भविष्यवाणी कि 21वीं सदी भारत की होगी, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार होती दिखाई दे रही है। प्रत्येक वैश्विक मंच पर भारत ने अपनी साख स्थापित की है और प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं। भारत आज विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जो विश्व का सबसे युवा लोकतांत्रिक देश है और प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रभावी रूप से इस युवा लोकतंत्र का नेतृत्व कर रहे हैं। मध्यप्रदेश के कोने-कोने से आए युवा संगठित होकर दिल्ली में अध्ययन कर रहे हैं, यह प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि इतने बड़ी संख्या में प्रदेश के युवाओं से हुई भेंट ने उनकी दिल्ली यात्रा को सार्थक बना दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे कम बेरोजगारी वाले राज्यों में शामिल है और राज्य सरकार हर कदम पर युवाओं के साथ है। युवाओं को सक्षम बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में निवेश, उद्योग और रोजगार के लिए सभी प्रकार की अनुकूलताएं उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा हमारा लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश का युवा जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर बनें। युवा, कृषि-टेक्नोलॉजी एवं चिकित्सा जैसे सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ें, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सहित विश्व स्तर पर हो रहे सभी नवाचारों में दक्ष हो और देश और प्रदेश को सशक्त बनाने में अपना योगदान दें, यही हमारा लक्ष्य है।

मप्र का बजट दो गुना करना का रखा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की उपलब्धियों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि राज्य में सिंचाई के रकबे में वृद्धि हुई है। आगामी 5 वर्षों में प्रदेश का बजट दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पीपीपी मॉडल के तहत अधिक से अधिक मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे। सरकार का लक्ष्य नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के माध्यम से राज्य में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाना है। उन्होंने बताया राज्य में टेक्सटाइल उद्योग स्थापित करने पर प्रतिमाह 5 हजार प्रति श्रमिक के लिए सरकार द्वारा सहयोग राशि दी जाएगी, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि युवाओं को सहयोग देने के विशेष प्रावधान राज्य सरकार की नीतियों में किए गए हैं।

मप्र के बिजली से चल रही दिल्ली की मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश बिजली सरप्लस स्टेट है और रिन्यूएबल एनर्जी में सबसे कम दर पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, जिसकी दर मात्र 2 रुपये 10 पैसे है, जो कि देश में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कह मेट्रो मध्यप्रदेश की बिजली से चल रही है। राज्य में माइनिंग सेक्टर में तेजी से कार्य हो रहा है और जैव विविधता के मामले में भी प्रदेश अग्रणी है। भोपाल के बड़े तालाब में शिकारे चलाए जा रहे हैं और फिल्म व पर्यटन नीति के माध्यम से निवेशकों व युवाओं को विशेष लाभ दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यांचल छात्र संगठन को इस विशेष आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी छात्र इसी प्रकार संगठित होकर सकारात्मक कार्य करते हुए प्रदेश व देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाते रहें। मध्यांचल उत्सव को संबोधित करते हुए श्री श्याम टेलर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की प्रगति की गति दोगुनी हुई है। मां नर्मदा का प्रवाह और बाबा महाकाल मध्यप्रदेश की पहचान हैं। दिल्ली में अध्ययनरत युवाओं द्वारा प्रदेश की कला-साहित्य-शालीनता और सभ्यता के संगम के रूप में आयोजित मध्यांचल उत्सव का आयोजन सराहनीय पहल है।

नदी एम्बुलेंस का विस्तार करेगी सरकार

नर्मदा नदी के घाटों पर तैयार होंगे पानी पर तैरते हुए अस्पताल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी के घाटों पर फ्लोटिंग अस्पताल शुरू कर नदी एम्बुलेंस का विस्तार किया जाएगा। इससे घाट पर आने वाले तीर्थयात्रियों, परिक्रमावासियों, आगंतुकों और स्थानीय निवासियों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने में सुगमता होगी। राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। फिलहाल आलीराजपुर, धार और बड़वानी जिलों में नदी किनारे बसे लोगों को चिकित्सीय सुविधाएं देने के लिए नदी एम्बुलेंस शुरू की गई हैं, जो आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार व दवाएं उपलब्ध कराने में मददगार साबित होंगी। खासकर बाढ़ प्रभावित और दूरदराज के आदिवासी इलाकों के लिए यह महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके अलावा वेलनेस और योग टूरिज्म में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए घाटों पर योग, ध्यान केंद्र और पार्क निर्माण भी किए जाएंगे।

नर्मदा के घाटों पर प्रतिदिन आते हैं 2.5 लाख श्रद्धालु

नर्मदा नदी के 861 घाटों पर प्रतिदिन लगभग 2.5 लाख से अधिक पर्यटक, श्रद्धालु, तीर्थयात्री आते हैं। 396 सूक्ष्म आकार के घाटों पर एक लाख आठ हजार से अधिक, 338 मध्यम आकार के घाटों पर 95 हजार और 116 वृहद आकार के घाटों पर 65 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचते हैं। फ्लोटिंग अस्पताल यानी पानी पर तैरता हुआ अस्पताल, जो दूरदराज के इलाकों और द्वीपों पर रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएगा। यह चिकित्सा सेवाओं को नदी से लगे सड़क विहीन गांवों तक ले जाने में सक्षम होगा। डॉक्टर, नर्सिंग टीम व मेडिकल सुविधाओं से लैस ये अस्पताल आपातकालीन स्थितियों में भी मददगार होंगे। इनमें जरूरी दवाइयां भी उपलब्ध होंगी।

अंशकालीन कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, डीपीआई का किया घेराव

20 साल की सेवा के बाद भी सिर्फ 5,000 वेतन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों में वर्षों से कार्यरत अंशकालीन एवं अस्थायी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का सब्र आखिरकार टूट गया। 15 से 20 साल तक लगातार सेवा देने के बावजूद मात्र 5,000 रुपये मासिक वेतन मिलने से नाराज कर्मचारियों ने डीपीआई कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने शासन और विभागीय अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे प्रतिदिन 10-12 घंटे काम लिया जाता है, लेकिन बदले में न तो न्यूनतम वेतन दिया जा रहा है और न ही किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा। कर्मचारियों का कहना है कि नियमित कर्मचारियों की तरह जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उन्हें आज भी अंशकालीन और

अस्थायी बताकर शोषण किया जा रहा है। कर्मचारियों ने बताया कि कई साथी 15-20 वर्षों से स्कूलों और छात्रावासों में सेवाएं दे रहे हैं, फिर भी उनकी स्थिति दिहाड़ी मजदूरों से भी बदतर है। कई बार महीनों की देरी से वेतन मिलता है, जिससे परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर न्यूनतम वेतन दो स्थायी करो न्याय दो और शोषण बंद करो जैसे नारे लगाए।

सुप्रीम कोर्ट का दिया हवाला

प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के सिविल अपील क्रमांक 8558/2018 (निर्णय 19 अगस्त 2025) का हवाला देते हुए कहा कि अदालत स्पष्ट कर चुकी है कि लंबे समय तक अस्थायी कर्मचारियों से नियमित काम लेना शोषण है और समान कार्य के लिए समान वेतन मिलना चाहिए। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर आदेशों की अनदेखी की जा रही है। कर्मचारियों ने मांग की कि अंशकालीन एवं अस्थायी कर्मचारियों के लिए स्पष्ट सेवा शर्तें लागू की जाएं, 15-20 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को तत्काल स्थायी किया जाए और उन्हें न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा तथा शासकीय कर्मचारियों के समान वेतन-भत्ते दिए जाएं। डीपीआई कार्यालय घेराव के दौरान कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026

मप्र डेलीगेट्स की अमारा राजा समूह के साथ बैठक, नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण पर मंथन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम -2026 के दौरान दावोस में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला और अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव ने अमारा राजा समूह के सह-संस्थापक, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर जय गल्ला के साथ नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण और बैटरी आधारित समाधानों को लेकर व्यापक चर्चा की। बैठक में राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण और भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को लेकर सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

चर्चा के दौरान अमारा राजा समूह ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा भंडारण की प्रगति को लेकर जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तरी मध्यप्रदेश के मुरैना क्षेत्र में एक प्रमुख बैटरी स्टोरेज परियोजना संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से वर्तमान में शाम के पीक समय में दो घंटे तथा तड़के सुबह दो घंटे की बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

अपर मुख्य सचिव श्रीवास्तव ने चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध कराने की राज्य की दीर्घकालिक रणनीति को साझा करते हुए कहा कि एकीकृत बैटरी स्टोरेज समाधानों के माध्यम से 24 घंटे सौर ऊर्जा उत्पादन की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य की सभी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की योजना स्टोरेज घटकों के साथ बनाई जा रही है, जिसे राज्य की प्रगतिशील नवीकरणीय ऊर्जा नीति का समर्थन प्राप्त है।

आगे की कार्ययोजना

दोनों पक्षों ने परियोजनाओं से संबंधित विस्तृत आंकड़ों के आदान-प्रदान, विभिन्न तकनीकी विकल्पों के मूल्यांकन तथा मध्यप्रदेश की स्वच्छ ऊर्जा रोडमैप के अनुरूप ऊर्जा भंडारण और उन्नत बैटरी समाधानों में संभावित सहयोग के अवसर तलाशने के लिए निरंतर संवाद बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। यह बैठक नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण एकीकरण और दीर्घकालिक सतत विकास पर आधारित भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में मध्यप्रदेश की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अब 31 जनवरी तक मिलेगा योजना का लाभ

समाधान योजना में 653.60 करोड़ राशि हुई जमा, 281.54 करोड़ माफ हुआ सरचार्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

समाधान योजना 2025-26 के प्रथम चरण में अब तक 653 करोड़ 60 लाख रूपये मूल राशि जमा हुई है। साथ ही 281 करोड़ 54 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। योजना में 12 लाख 77 हजार 753 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए समाधान योजना के प्रथम चरण की अवधि में 31 जनवरी 2026 तक विस्तार किया गया है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने सौ फीसदी तक छूट का लाभ लिया। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा कर 100 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठायें।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 4 लाख 2 हजार 593 बकायादार उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 411 करोड़ 49 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 218 करोड़ 44 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है। इसी तरह पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 4 लाख 39 हजार 397 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया है। मूल राशि 130 करोड़ 50 लाख रूपये जमा हुई है तथा 45 करोड़ 41 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रान्तर्गत 4 लाख 35 हजार 763 उपभोक्ताओं ने पंजीयन कराया है। कुल मूल राशि 111 करोड़ 61 लाख रूपये जमा हुई है। साथ ही 17 करोड़ 69 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है।

समाधान योजना 2025-26 एक नजर में

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्त ाओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना %जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्त ा को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ हो रहा है जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत मशः कुछ कम हो जाएगा। दो चरणों में प्रारंभ हुई योजना को प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर 2025 से हुई जो 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। इसमें बकाया बिल एकमुश्त जमा करने पर 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जा रहा। इसके बाद द्वितीय और अंतिम चरण शुरू होगा जो 01 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। दूसरे चरण में 50 से 90 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने उपभोक्त ाओं के लिए कंपनी के ऐप एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तथा एमपी ऑनलाइन पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है।

मुरैना में मिट्टी परीक्षण फर्जीवाड़ा

जांच के घेरे में आरएईओ से लेकर लैब संचालक तक

मुरैना। जौरा ब्लॉक की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में मिट्टी की जांच के नाम पर हुए फर्जीवाड़े में लैब से लेकर कृषि विभाग के ग्रामीण विस्तार अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी जांच के दायरे में हैं। उप संचालक कृषि अनंत सड़ैया ने जौरा एसएडीओ को मामले की जांच का जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना के गृह जिले में मिट्टी परीक्षण के नाम पर हुए फर्जीवाड़े का राजफाश एक एजेंसी ने किया है, जिसमें बताया गया कि शहडोल-नागदा से लेकर तेलंगाना तक की मिट्टी की जांच की इंट्री दर्ज कर शासन से राशि हड़प ली गई। उप संचालक कृषि अनंत सड़ैया ने जांच के लिए जारी आदेश में कहा है कि जिन आरएईओ ने मिट्टी परीक्षण लैब में मिट्टी के सैंपल, किसानों की जानकारी व मोबाइल नंबर दिए हैं, उनकी भूमिका की जांच हो।

मेट्रो एंकर | **मध्य प्रदेश में बिजली बिल से मिल रहा छुटकारा**

पीएम सूर्य घर योजना से बिजली के बिल से छुटकारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है। लगातार बढ़ते बिजली बिल से परेशान लोगों को इस योजना के माध्यम से बड़ी राहत मिली है। घरों की छतों पर लगाए जा रहे सोलर पैनल न केवल बिजली की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, बल्कि स्वच्छ और हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का मुख्य उद्देश्य देश के करोड़ों परिवारों को सस्ती, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बिजली उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत सोलर पैनल लगाने पर केंद्र सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी दी जा रही है। इससे मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों को सबसे अधिक लाभ मिल रहा है। कई लाभार्थियों का कहना है कि अब उनका बिजली बिल लगभग शून्य के बराबर आ गया है,

जिससे मासिक खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है।

योजना के तहत लगाए गए सोलर पैनल घरों में आवश्यक बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर उपभोक्ता अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। इससे लोगों में न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ी है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता भी आई है।

लाभार्थी पारस जैन ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि पहले एसी, हीटर और अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग करने में हमेशा भारी बिजली बिल का डर बना रहता था। योजना का लाभ मिलने के बाद अब वे बिना किसी चिंता के बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं। उनका कहना है कि बिजली बिल में आई भारी कमी से उन्हें आर्थिक राहत मिली है।

बिजली बिल से परेशान हो रहे थे लोग

वहीं, रामसहाय मिश्रा ने कहा, 5पहले उनका बिजली बिल हर माह 5,000 से 6,000 रुपए तक आ जाता था, जिससे घर का बजट बिगड़ जाता था। मित्रों से योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने इसमें आवेदन किया और अब बिजली खर्च की चिंता लगभग खत्म हो गई है। इसके लग जाने से हम लोगों को काफी फायदा हो रहा है। इसी तरह रंजीत बसाक ने कहा कि वे लंबे समय से भारी बिजली बिल से परेशान थे। समाचार पत्रों के माध्यम से योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने सोलर पैनल लगवाए। सरकार की ओर से उन्हें 78,000 रुपए की सब्सिडी मिली और आज उनका बिजली बिल करीब 75 प्रतिशत तक कम हो गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए अन्य लोगों से भी इस योजना का लाभ उठाने की अपील की।

सुप्रीम दखल से वोटरों को राहत

पश्चिम बंगाल में एसआईआर की तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में शामिल लगभग 1.25 करोड़ मतदाताओं के नाम सार्वजनिक करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से लाखों मतदाताओं को वोटर लिस्ट में दोबारा नाम दर्ज कराने में मदद मिलेगी। इस आदेश का मकसद यही है कि लोगों के मताधिकार की हर कीमत पर सुरक्षा होनी चाहिए।

तार्किक विसंगति वह श्रेणी है, जिसमें किसी मतदाता का नाम हटाया नहीं जाता, लेकिन उसकी दी जानकारी रेकॉर्ड से मेल नहीं खाती या संदेह पैदा करती है। ऐसे मामलों में संबंधित मतदाताओं को स्पष्टीकरण का मौका दिया जाता है। हालांकि बंगाल में बड़े पैमाने पर लोगों को इस श्रेणी में डाल दिए जाने से विवाद खड़ा हो गया। TMC का आरोप है कि चुनाव आयोग ने जानबूझकर ड्राफ्ट रोल से मतदाताओं के नाम काटे हैं, जबकि आयोग ऐसे आरोपों से इनकार करता आया है। सुप्रीम कोर्ट के दखल से अब प्रभावित लोगों को आपत्तियों के जवाब और संबंधित दस्तावेज जमा करने में सुविधा मिलेगी। देखा जाए तो भले इस श्रेणी का मतलब नाम न कटना हो, लेकिन आम लोगों के लिए छोटी-छोटी बातें भी कई बार बड़ी मुश्किल पैदा करती हैं। यह संख्या ही अपने आप में इतनी बड़ी है, जिनकी आपत्तियों के निपटारे के लिए पर्याप्त समय और धैर्य चाहिए। उम्मीद कर सकते हैं कि प्रक्रिया को लेकर जो शिकायतें उठ रही हैं, अदालत के फैसले से वे दूर होंगी - आम लोगों को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्था बनाई जाएगी।

बिहार में पहले चरण से लेकर अभी दूसरे चरण तक, SIR को लेकर सबसे बड़ी शिकायत पारदर्शिता और मंशा की रही है। विपक्ष अगर इसे संदेह की नजर से देख रहा है, तो उसकी कुछ वजहें हैं। सुप्रीम कोर्ट को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ रहा है और चुनाव आयोग यह विश्वास दिलाने में कहीं न कहीं नाकाम रहा है कि SIR का मकसद वोटर लिस्ट से नाम काटना या नागरिकता तय करना नहीं। दूसरे चरण में जारी 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट लिस्ट में कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम कटे हैं। पश्चिम बंगाल में ही 58 लाख नाम हटे हैं। तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में शामिल लोग इससे अलग हैं। इन सभी को अपनी बात रखने और दोबारा मतदाता बनने का पूरा मौका दिया जाना चाहिए। प्रक्रिया निष्पक्ष और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाली हो। SIR का मकसद तब सफल होगा, जब हरेक योग्य मतदाता को वोट देने का अधिकार मिलेगा।

'सर (महोदय) जी' ! चुनाव आयोग का 'सर' (SIR) किन-किन 'सरों की टोपी' उड़ा रहा है!

राजीव खंडेलवाल
सलाहकार एवं पूर्व बैतूल नगर सुधार न्यास अध्यक्ष

नोबेल पुरस्कार विजेता और 'भारत रत्न' से अलंकृत प्रो. अमर्त्य सेन, तथा देश की समुद्री सीमाओं के रक्षक रहे पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश और उनकी पत्नी को चुनाव आयोग की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) के दौरान सिस्टम जनरेटेड नोटिस भेजा गया, जिसमें उनसे कहा गया कि वे अपनी पहचान और नागरिकता साबित करने के लिए उपस्थित हों। इसे कहते हैं 'सूरज को दीपक दिखाना। कानून के समक्ष सब समान हैं, यह लोकतंत्र की रीढ़ एवं आत्मा है।लेकिन क्या कानून का यह अर्थ भी है कि बुद्धि, विवेक और सामान्य समझ को स्थगित कर दिया जाए? क्या देश को यह जांच करनी है कि अमर्त्य सेन कहीं चुपचाप किसी और देश के नागरिक तो नहीं बन गए? क्योंकि यह कल्पना करना देश में वर्तमान में संभव है। वह इसलिए की आजकल जो चलन (ट्रेंड) चल रहा है, वर्तमान समय में देश की नागरिकता छोड़ने की सबसे ज्यादा संख्या है। वर्ष 2020 से संख्या लगातार बढ़कर 2024 में ही 216719 लोगों ने नागरिकता छोड़ी। चुनाव आयोग ने इसे हास्यास्पद प्रशासनिक तमाशे विडंबना में बदल दिया। चुनाव आयोग ने सफाई दी 'यह तो सिस्टम जनरेटेड तकनीकी त्रुटि है।' अर्थात अब भारत में गलती किसी की नहीं, दोषी सिर्फ सिस्टम है। बीएलओ तीन बार एडमिरल अरुण प्रकाश के घर गए। तब दस्तावेज नहीं मांगे गए। फिर अचानक नोटिस में दस्तावेजों की मांग ! यानी पहले जांच बिना जांच। फिर नोटिस बिना विवेक। और अंत में सुधार बिना माफी। चुनाव आयोग ने गलती सुधारी, लेकिन क्या उसने क्षमा याचना की? या प्रतिष्ठा को ठेस लगना अब अनुशासनिक क्षति (कोलेटरल डैमेज) मान लिया गया है?

धारा 21 में मतदाता सूची में तीन तरह के पुनरीक्षण के प्रावधान है। 'संक्षिप्त रूप से' या 'गहनता से', सामान्य संशोधन, विशेष संशोधन तथा सतत संशोधन। धारा 21(2) (ए) (।) सहपठित नियम 25 के अंतर्गत सामान्य आम चुनाव होने के पूर्व निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण किया जायेगा। धारा 21 (3) के अंतर्गत विशेष पुनरीक्षण (विशेष गहन पुनरीक्षण का नहीं) का प्रावधान है, जो किन्हीं लोकसभा/विधानसभा क्षेत्र के लिए हैं, ''पूर्ण राज्य'' के लिए कदापि नहीं। इस प्रकार चुनाव आयोग का ''अंधा बांटे रेवड़ी'' वाला 24 जून का आदेश कानून व तथ्यात्मक दोनों रूप से गलत है। वर्तमान एसआइआर सिर्फ संशोधन की प्रक्रिया नहीं रह गई हैं, बल्कि पुरानी मतदाता सूची को व्यवहारिक व कार्य रूप में ''अस्तित्वहीन'' व निष्प्रभावी कर नई मतदाता सूची बना रही है। इसका कोई प्रावधान संविधान या जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 में नहीं है। फिर ''एसआइआर'' पर करोड़ों रुपए व समय खर्च कर निर्दोष बीएलओ की आहुति देकर ''घर फूंक तमाशा देखने का'' क्या मतलब है? अनुच्छेद 324 मतदाता सूची तैयार करने का अधिकार अवश्य देता है। परन्तु मतदाता सूची कैसे बनेगी, यह धारा 21 में वर्णित है, जिसमें SIR का उल्लेख कही भी नहीं है।

लोकतंत्र की नकारात्मक सर्जरी: स्वतंत्र भारत की पहली निर्वाचक नामावली प्रथम आम चुनाव 1951-52 के लिए तैयार की गई थी, जिसका 15 नवम्बर 1952 को प्रकाशन हुआ था। वर्ष 1951 से लेकर वर्ष 2024 तक चुनाव आयोग नामावली में संशोधन-मृत्यु, दोहराव (duplication) व मतदाता स्थानांतरण के आधार पर करती आ रही है, अर्थात आधार वर्ष 1951 को सूची मान्य होकर समय-समय पर संशोधित होती रही सूची ही मतदाता सूची ही किसी भी 'एसआर' की कार्रवाई के लिए आधार रही है। इसके ही आधार पर चुनाव कराये जाते रहे है। इसका क्या एक अर्थ यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि पूर्व में SIR न किये जाने के कारण अभी तक हुए समस्त चुनाव अवैध है? आखिर स्क्रव स्ट्रक्रमें अंतर क्या है? जिनको स्पष्ट करने में चुनाव आयोग असफल रहा है। SIR में चुनाव आयोग पुरानी सूची नई सूची बना कर प्रतिस्थापना कर रहा है, जो पूर्णतः गैर संवैधानिक और गैर कानूनी है। स्पष्ट है कि ''बनाने चले थे गणपति और बन गया शिवलिंग''। कही ऐसा नहीं कि ''एसआइआर'' की कार्रवाई ''चमड़े के सिक्के'' चलाने समान हो जावे। मतदाता सूची की शुद्धता आवश्यक है, इससे कोई विवाद नहीं।

लेकिन सवाल यह है कि — क्या इलाज ऐसा हो कि मर्ज बढ़ता जाए?: एक पते पर सैकड़ों नाम, एक ही फोटो का कई बार उपयोग। लेकिन सवाल यह नहीं कि गलतियाँ हैं या नहीं, सवाल यह है कि क्या पूरी प्रक्रिया संवैधानिक है? यदि कल को उच्चतम न्यायालय स्ट्रक्रअसंवैधानिक घोषित करता है हुई, तो क्या अब तक हुए चुनाव इलेक्टोरल बॉन्ड और महाराष्ट्र सरकार की तरह अवैध माने जाएंगे? या तब कहा जाएगा 'अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत'? 1952 के बाद पहली बार 2025 में SIR के नाम पर नई मतदाता सूची बनाई जा रही है। प्रश्न सीधा है–जब कानून में यह अधिकार नहीं, तो चुनाव आयोग यह शक्ति कहां से ला रहा है? जिस पर उच्चतम न्यायालय सुनवाई में सबसे पहले विचार क्यों नहीं कर रहा है? मतदाता नहीं, अब 'आवेदक' हैं नागरिक। पहले मतदाता सूची बनाना चुनाव आयोग का दायित्व था। अब कहा जा रहा है 'फॉर्म भरो, वरना नाम कटेगा।' यानी लोकतंत्र में अब अधिकार नहीं, आवेदन मिलेगा। कहावत है– 'जूँ के डर से गुदड़ी नहीं फेंकी जाती।' लेकिन यहां तो पूरी 'गुदड़ी ही आग में झोंकी जा रही है'।

'कहीं 'सर' लोकतंत्र का 'सिर' न काट दे': SIR अब सुधार की प्रक्रिया नहीं रही। यह संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन, मताधिकार का अस्थिरीकरण , प्रशासनिक अहंकार का प्रदर्शन बन चुकी है। करोड़ों रुपये खर्च कर, बीएलओ को कसाई के खूंटे से बांधकर, और नागरिक को संदेह के कटघरे में खड़ा कर यदि यही लोकतांत्रिक सुधार है, तो फिर 'बनाने चले थे गणपति, और बन गया शिवलिंग।' कहीं ऐसा न हो कि कल को इतिहास लिखे–मतदाता सूची सुधार के नाम पर लोकतंत्र का सिर ही उड़ा दिया गया।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

मरीजों की जान से खिलवाड़ साबित हो सकता है मेडिकल शिक्षा से हो रहा मजाक

डॉ योगेंद्र श्रीवास्तव
स्तंभकार

खबर है कि इस साल नीट पीजी (पोस्ट ग्रेजुएट) में हजारों सीटें खाली रह जाने के कारण नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडीकल साइंसेज (NBEMS) ने कट ऑफ को घटाकर (माइनस)- 40 पर्सेंटाइल कर दिया है। यानी जीरो पर्सेंटाइल से भी 40 कम। इसे समझने के लिए नीट पीजी परीक्षा का मूल्यांकन समझना जरूरी है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक इस परीक्षा में कुल 800 अंक होते हैं जिसमें 200 मल्टीपल चॉइस प्रश्न पूछे जाते हैं। मूल्यांकन में माइनस मार्किंग भी की जाती है ताकि कोई सिर्फ अनुमान के आधार पर सवाल का जवाब चुन कर अंक हासिल करने की जुर्रत न करे। इसीलिए एक सही जवाब पर यदि 4 अंक दिए जाते हैं तो एक गलत जवाब पर 1 अंक काट लिया जाता है। एक रोचक परिस्थिति यह है कि कोई परीक्षार्थी एक भी प्रश्न का जवाब न दे तो भी उसे जीरो पर्सेंटाइल प्राप्त होना निश्चित है। दूसरे शब्दों में बिना कोई भी किताब पढ़े या बिना किसी तैयारी के कोई भी परीक्षार्थी जीरो पर्सेंटाइल हासिल कर सकता है। और कट ऑफ घटाने के नए फरमान के बाद तो कोई परीक्षार्थी सिर्फ दिल बहलाने के लिए परीक्षा दे, कंप्यूटर पर आंसर शीट में एक भी सही जवाब न दे सके और चालीस प्रश्नों के गलत जवाब दे तो भी पीजी करने की पात्रता रखता है।

इन मापदण्डों पर हमारा सिस्टम कैसे डॉक्टर तैयार करना चाहता है, यह सामान्य समझ से परे और गहरी चिन्ता का विषय है। खेदजनक तथ्य यह है कि आम जनता इस खतरनाक खेल से बिल्कुल बेखबर है। बेशुमार प्राइवेट मेडीकल कॉलेज खोलने के साथ साथ लगभग सभी राज्य सरकारें राजनीतिक शिगूफे के तौर पर हर छोटे बड़े शहर में सरकारी मेडीकल कॉलेज भी खोलते जा रही हैं। इन नए नए मेडीकल कॉलेजों में न ही वांछित इन्फ्रास्ट्रक्चर है और न ही डॉक्टर एवं स्टॉफ। मगर हर साल हजारों डॉक्टर बदस्तूर डिग्री लेकर निकल रहे हैं। अनुभवी शिक्षकों और सभी प्रकार के मरीजों के अभाव में ये छात्र अधकचरा ज्ञान प्राप्त करके भी मरीजों का उपचार करने के लिए अधिकृत हैं। इनकी गुणवत्ता संदिग्ध है और ये निश्चित तौर पर खतरे से अनभिज्ञ मरीजों की जान के लिए खतरा बनेंगे। अभी लोग भूले नहीं हैं कि इस सदी के शुरुआत में किस तरह हजारों इंजीनियरिंग कॉलेज खुले और आखिर छात्रों के अभाव में बंद भी हो गए। गुणवत्ता का हाल यह था कि बमुश्किल 17- 18 फीसदी ग्रेजुएट किसी रोजगार के काबिल थे। मगर मेडीकल कॉलेज में शिक्षा का स्तर इस तरह गिराना सीधे मरीजों की जान से खेलने के समान है।

लेकिन फ़िक्र किसे है? स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की बेलगाम महत्वाकांक्षा ने सरकारों की बुद्धि भ्रष्ट कर दी है और जमीनी हकीकत से अनजान नेता और अफसर अंधाधुंध मेडीकल कॉलेज खोलने की अनुमति देते जा रहे हैं। सरकार की मंशा के अनुरूप मेडीकल शिक्षा की नियामक संस्था राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेज खोलने के पैरामीटर बहुत शिथिल कर दिए हैं लेकिन उसके बावजूद अधिकांश मेडीकल कॉलेज सारे पैरामीटर पूरे नहीं करते। मगर खुद एनएमसी की मेहरबानी है कि सबको लाइसेंस मिल जाता है और उसका नवीनीकरण भी हो जाता है।

इसी का नतीजा है कि अब देश में लगभग 800 मेडिकल कॉलेज खुल चुके हैं जिनमें MBBS की लगभग सवा लाख और पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) की लगभग 80 हजार सीटें उपलब्ध हैं। लगभग सभी प्राइवेट मेडीकल कॉलेज राजनेताओं और रसूखदार धनाढ्यों द्वारा पोषित और संचालित हैं इसलिए सिस्टम ने सब कुछ जानते हुए भी आंखें बंद कर रखी हैं। अब अगर सीटें खाली रहती हैं तो उतने छात्रों की फीस का घाटा है और जाहिर है कि मेडीकल कॉलेज खोलने और चालू रखने में भारी लागत के चलते कोई भी मालिक घाटा सहने को तैयार नहीं है। सो लाजिमी है कि सरकार पर दबाव होना ही था कि सीटें खाली न जाएं। बहरहाल कट ऑफ की पेशकश की गई और NBEMS द्वारा फौरन समस्या का समाधान कर दिया गया।

सरकारी पक्ष यह है कि ज्यादा से ज्यादा डॉक्टर पढ़कर निकलेंगे तो स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा। मगर हक़ीक़त यह है कि नाकाबिल डॉक्टर्स की फौज स्वास्थ्य सेवाओं का बंटाढार करेगी। असल समस्या ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की है जहां ये पोस्ट ग्रेजुएट डिग्रीधारी डॉक्टर जायेंगे ही नहीं। पीजी डिग्रीधारी ये सभी डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक या छोटे बड़े अस्पतालों में सेवाएं देंगे। वांछित योग्यता और उचित शिक्षा के अभाव में इनकी गुणवत्ता पर संदेह स्वाभाविक है। भारतीय संस्कृति में माना जाता है कि करत करत अभ्यास के, जड़मति होय सुजान इसीलिए शायद सरकार ने योग्यता की जरूरत खत्म करने का निर्णय लिया हो। लेकिन संदेह यह है कि अधिकांश कॉलेजों के अधूरे इन्फ्रास्ट्रक्चर में शिक्षकों के बिना अभ्यास करने वाले ये जड़मति कितना सीख पाएंगे? आम नागरिक किसी नाम के पहले डॉक्टर की पदवी पढ़कर ही आश्वस्त हो जाता है कि उसे उचित इलाज मिलेगा। मगर वह इस तथ्य से अनजान ही रहेगा कि उक्त डॉक्टर को नीट पीजी में माइनस 40 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त हुए थे। हो सकता है भविष्य में डॉक्टर के साइन बोर्ड पर डिग्री के साथ नीट पीजी के अंक प्रदर्शित करने की मांग उठे ताकि मरीज उसकी काबिलियत का अनुमान लगा सकें। कई डॉक्टर अपनी योग्यता का डंका पीटने के लिए नाम और डिग्री के साथ गोल्ड मेडलिस्ट वगैरह लिखते हैं। इसी तर्ज पर यह कानून बनाया जाना भी जरूरी है कि साइन बोर्ड पर नाम और डिग्री के साथ नीट पीजी के पर्सेंटाइल लिखना भी अनिवार्य हो।

राजनेता और आला अफसर अपना इलाज देश के सबसे महंगे अस्पतालों में सरकारी खर्च पर करवाते हैं। कुछ तो भारत की चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसा ही नहीं करते और विदेश जाकर इलाज कराते हैं। मगर आम लोगों के इलाज के लिए माइनस 40 पर्सेंटाइल वाले डॉक्टरों की जमात तैयार की जा रही है। सरकार भले ही स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की आड़ ले लेकिन यह मेडीकल शिक्षा के नाम पर सरासर मज़ाक हो रहा है। ऐसे नाकाबिल डॉक्टरों को इलाज की छूट देना दरअसल मरीजों की जान से खिलवाड़ है। ताजातरीन खबर यह है कि NBEMS के तुगलकी फरमान को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। लेकिन सरकार की इस मनमानी के खिलाफ आखिर आम जनता को ही आवाज उठाना होगी।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

लगातार बढ़ रहे फेफड़ों के कैंसर के मामले, समय- समय पर जांच जरूरी

भारत में फेफड़ों का कैंसर तेजी से एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनता जा रहा है। सीएमआर के डेटा के अनुसार, भारत में फेफड़ों के कैंसर के मामलों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। साल 2015 में जहां इसके लगभग 63708 मामले सामने आए थे, वहीं 2025 तक इनके बढ़कर करीब 81219 होने का अनुमान है। फेफड़ों के कैंसर के कारण क्या हैं? मामलों में इस तेजी से बढ़ोतरी के बड़ी वजह स्मोकिंग है क्योंकि भारत में इस समय लगभग 10 करोड़ वयस्क स्मोकर हैं, साथ ही बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण भी एक बड़ी वजह है। सिगरेट पीना मुख्य वजह माना जाता है और करीब 85 से 90 फीसदी मामले इससे जुड़े होते हैं। यह बीमारी पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करती है। दुखद बात यह है कि ज्यादातर मरीज बीमारी के काफी आगे बढ़ जाने पर डॉक्टर के पास पहुंचते हैं, जिससे करीब 80 से 85 फीसदी मामले लाइलाज अवस्था में होते हैं। फेफड़ों के कैंसर की मृत्यु दर काफी ज्यादा है क्योंकि अधिकतर मामलों का पता देर से चलता है। फेफड़ों के कैंसर से हर साल लगभग 60 हजार लोगों की मौत हो जाती है।

लक्षणों को समय पर जानना जरूरी: फेफड़ों के कैंसर की मृत्यु दर काफी ज्यादा है क्योंकि अधिकतर मामलों का पता देर से चलता है। भात में लोगों को इसका रिस्क भी ज्यादा है इसलिए लक्षण हों या न हों आपको समय-समय पर जांच जरूर करानी चाहिए। फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती और आमतौर पर नजरअंदाज किए जाने वाले लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है। हम कुछ संकेत और लक्षण बता रहे हैं जिन्हें आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

लगातार खांसी होना: अक्सर लोग मौसम बदलने या हल्की एलर्जी समझकर लंबे समय तक रहने वाली खांसी को नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन ऐसा करना खतरनाक हो सकता है। अगर खांसी कई हफ्तों तक बनी रहे, ज्यादा तेज या खुरदरी हो जाए और गले में दर्द के साथ हो, तो यह फेफड़ों के कैंसर का संकेत हो सकता है। कुछ मामलों में खांसी के साथ खून या जंग जैसे रंग का बलगम भी आ सकता है।

सीने में दर्द या बेचैनी: सीने में दर्द को सिर्फ हार्ट अटैक से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। फेफड़ों के कैंसर में भी सीने में दर्द हो सकता है, जो गहरी सांस लेने, खांसने या हंसने पर बढ़ जाता है। यह दर्द हल्का, तेज या लगातार बना रह सकता है और कभी-कभी कंधों या पीठ तक भी फैल सकता है। इस तरह के दर्द को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सुविचार

जो लोग चेहरे पर नफरत करते हैं
उन्हें बर्दाश्त किया जा सकता है
लेकिन जो लोग अपने होने का
दिखावा करते हैं
वे अधिक खतरनाक होते हैं।
–अज्ञात

निशाना

वहाँ प्रदूषण है कितना..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

आसमान हैं मेरे ऊपर, हौसला है पंखो में उड़ने का।
खेंच रहे है ऐसे मुझको,जैसे पवन वेग हो उनका ।।
जो भी पाया है मैने,आशीर्वाद। है बुजुर्गो का।
विश्वास मुझे है मेहनत पर,नहीं भरोसा किस्मत का।।
ऊंचा होते देख मेरा कद,कुछ कर देते हैं अनदेखा।
खुश होते जो उपलब्धि पर,मुझे सहारा बस उनका।।
नील-गगन है सुंदर कितना,नज़र उठा कर जब देखा,
पास गया तब, तो पाया कि,वहाँ प्रदूषण हैं कितना।।
राजनीति है मानव सेवा, 'नीति' ये राग सभी गाते।
चारो ओर अंधेरा कर दो, जनता को फिर भी दिखता।।

यूजर्स गाइड

बाहर जाने से पहले बदल दें फ्रिज की सेटिंग्स बिजली बिल कम और मशीन रहेगी सुरक्षित

सर्दियों में लोग वेकेशन पर जाते हैं। इस दौरान वह घर में गैस कनेक्शन, लॉकर और अलमारी आदि पर ताला लगाना तो याद रखते हैं लेकिन फ्रिज की जरूरी सेटिंग्स को बदलना भूल जाते हैं। दरअसल सर्दियों के मौसम में अगर आप घर से कुछ लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं, तो जरूरी है कि आप फ्रिज की जरूरी सेटिंग्स को चेंज करके जाएं। ऐसा न करना आपके फ्रिज और बिजली के बिल दोनों को ही नुकसान पहुंचा सकता है।

ठंड के मौसम में आपके फ्रिज को अपनी पूरी क्षमता पर काम करने की जरूरत नहीं होती। ऐसे में अगर आप वेकेशन या कहीं काम से लंबे समय के लिए बाहर जा रहे हैं, तो जरूरी है कि फ्रिज को सबसे कम तापमान पर सेट कर दें। ये आपके फ्रिज में नंबर के तौर पर 1 से 5 या फिर Cold to Coldest के रूप में हो सकता है। ऐसे में ठंडक को सबसे कम कर दें। इससे आपके फ्रिज का कंप्रेसर बिना लोड के ब्रेक लेकर काम करेगा और आपका बिल भी कम आएगा।

आजकल के कई लेटेस्ट फ्रिज हॉलिडे मोड या वेकेशन मोड के साथ आते हैं। इसमें फ्रिज खुद को एक ऐसे तापमान पर सेट रखता है कि उसमें किसी तरह की बदबू नहीं पनपती। अगर आपके फ्रिज में भी वेकेशन या हॉलिडे मोड का ऑप्शन हो, तो फ्रिज को उस जरूर सेट कर दें।

अगर आपका फ्रिज डायरेक्ट कूल टेक्नोलॉजी पर काम करता है यानी कि अगर आपके फ्रिज के पीछे काले रंग की जाली है, तो उसे वेकेशन पर जाने से पहले डीफ्रॉस्ट जरूर करें। दरअसल जाली वाले फ्रिज को मेन्युअल तरीके से डीफ्रॉस्ट करना पड़ता है। ऐसा करने से फ्रीजर में जरूरत से ज्यादा बर्फ नहीं जमेगी। इसकी वजह से बर्फ कंप्रेसर पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालती और आपका फ्रिज और बिजली का बिल दोनों ही सुरक्षित रहते हैं। यह एक टेक्निकल फैक्ट है कि एक भरा हुआ फ्रिज खाली फ्रिज की तुलना में ठंडक को बेहतर तरीके से बनाए रखता है। अगर आप खाने-पीने का सामान हटा रहे हैं, तो फ्रिज में पानी से भरी कुछ बोतलें छोड़ दें। ये बोतलें 'थर्मल मास' का काम करती हैं, जिससे तापमान स्थिर रहता है और कंप्रेसर पर लोड नहीं पड़ता।

दीवार से 6 इंच दूर कर दें: सर्दियों के मौसम में भी फ्रिज के पीछे से हीट निकलना बंद नहीं होती। ऐसे में अगर आप घर से कुछ समय बाहर रहने वाले हैं, तो जाने से पहले फ्रिज की बैक साइड और दीवार के बीच कम से कम 6 इंच की दूरी जरूर छोड़कर जाएं। इससे भी आपके फ्रिज का कंप्रेसर बिना लोड के काम कर पाएगा। हो सके तो फ्रिज के साथ स्मार्ट प्लग का इस्तेमाल करें। इसकी मदद से आप घर से बाहर रहते हुए भी फ्रिज को ऑन या ऑफ कर पाएंगे।

अजब - गजब

न्यूजीलैंड में दुनिया की सबसे साफ झील, पैर पोंछकर घुसते हैं लोग, कांच से भी साफ़ पानी

क्या आपने कभी सोचा है कि किसी झील का पानी कितना साफ हो सकता है? न्यूजीलैंड की रोटोमेयरव्हेनुआ झील (जिसे ब्लू लेक भी कहा जाता है) दुनिया की सबसे साफ़ झील है। वैज्ञानिकों ने इसे पृथ्वी पर अब तक रिकॉर्ड की गई सबसे पारदर्शी प्राकृतिक झील घोषित किया है। इस झील का पानी इतना क्लियर है कि 70 से 80 मीटर की गहराई तक तल साफ दिखाई देता है। यानी आप नीचे की चट्टानें, मछलियां और यहां तक कि छोटे-छोटे पत्थर भी देख सकते हैं, जैसे कोई कांच की परत हो। यह झील न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड पर नेल्सन लेक्स नेशनल पार्क के अंदर स्थित है।

दुनिया की नजरों से दूर: ये झील चारों तरफ से ऊंचे-ऊंचे आल्पाइन जंगल, बर्फीली चोटियां और घने जंगल से घिरी है। यहां पहुंचने के लिए कोई सड़क या गाड़ी नहीं है। पर्यटकों को यहां तक आने के लिए ट्रैकिंग करनी पड़ती है, जो लगभग 6-8 घंटे का कठिन ट्रेक है। इसमें पहाड़ चढ़ना, जंगल पार करना और प्रकृति का पूरा सम्मान करना शामिल है। यह झील बहुत दूरस्थ और संरक्षित है, जिसकी वजह से इसका पर्यावरण बिल्कुल प्राकृतिक और अछूता बना हुआ है। झील को माओरी जनजाति बहुत पवित्र मानती है। उनके अनुसार, इस झील का पानी आध्यात्मिक शुद्धिकरण का प्रतीक है। इसलिए यहां आने वाले हर व्यक्ति से अनुरोध किया जाता है कि वे अपने जूते या बूट अच्छी तरह पोंछ लें या साफ कर लें। जूते पर लगी थोड़ी सी भी मिट्टी, धूल या बैक्टीरिया झील की पवित्रता को भंग कर सकती है। यह नियम ना सिर्फ सांस्कृतिक महत्व रखता है, बल्कि झील के नाजुक इकोसिस्टम को भी बचाता है।

ट्रेकिंग के लिए हैं सख्त नियम: यहां आने वाले पर्यटक बोर्ड पर लिखे नियमों का पालन करते हुए जूते पोंछते हैं और फिर ही झील के किनारे पहुंचते हैं। वैज्ञानिकों ने कई बार इस झील की जांच की है। 2011 में नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने यहां पानी की पारदर्शिता मापी और पाया कि विजिबिलिटी 76 मीटर तक है, जो पहले के रिकॉर्ड (क्रोएशिया की प्लिटविस झीलों की 60 मीटर) से ज्यादा है। बाद में और टेस्ट में 80 मीटर तक रिकॉर्ड दर्ज किया गया। यह पारदर्शिता इसलिए संभव है क्योंकि झील में पानी मुख्य रूप से भूमिगत चट्टानों से आता है। ये चट्टानें प्राकृतिक फिल्टर की तरह काम करती हैं, जो पानी के रास्ते में ही सारी पार्टिकल्स, गंदगी और जैविक पदार्थ छान लेती है। झील में कोई बड़ा इनफ्लो नहीं है, इसलिए कोई गंदगी नहीं पहुंच पाती है। झील का नाम रोटोमेयरव्हेनुआ माओरी भाषा से आया है, जिसका मतलब है 'भूमि की झील'. इसका रंग नीला-हल्का हरा होता है, जो आसपास की चट्टानों और सूरज की रोशनी से और खूबसूरत लगता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे आम रास्ता रोटोइती झील से शुरू होता है, फिर जंगल और पहाड़ों से होकर ब्लू लेक तक जाता है। ट्रेकिंग के दौरान पर्यटकों को कैंपिंग की अनुमति मिलती है, लेकिन सख्त नियम है कि कोई कचरा नहीं छोड़ना है और ना ही कोई आग लगानी है। इसके अलावा झील में तैरना या नहाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

जर्मन तकनीक से तवा नदी पर बनेगी अटल पिचिंग पाहनवर्री गांव को मिलेगी बाढ़ से मुक्ति- विधायक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में तवा नदी के किनारे बसे ग्राम पाहनवर्री को हर साल बर्बाद करने वाली बाढ़ से अब स्थायी निजात मिलने वाली है। जर्मन टेक्नोलॉजी के सहारा लेकर नदी की ही रेत से बनी मजबूत पिचिंग (दीवार) का निर्माण किया जाएगा। यह पिचिंग न केवल 100 साल तक टिकी रहेगी, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने नर्मदापुरम सर्किट हॉउस मे आयोजित प्रेसवार्ता में इस महत्वाकांक्षी योजना की विस्तृत जानकारी साझा की।

विधायक विजयपाल सिंह ने बताया कि पाहनवर्री गांव तवा नदी के किनारे होने के कारण हर मानसून में बाढ़ की चपेट में आ जाता है। पिछले कई वर्षों से बाढ़ ने गांव के खेतों को रेत से पटवा दिया है, जिससे कृषि भूमि बंजर हो गई है। बारिश का पानी अब आसानी से घुस जाता है और फसलें, मकान तथा संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाता है। ग्रामीणों का जीवन कष्टमय हो गया है। लेकिन अब आधुनिक तकनीक से इसे जड़ से समाप्त करेंगे। उन्होने बताया कि कुछ साल पहले जर्मनी की विशेषज्ञ टीम नर्मदापुरम पहुंची थी।उनके साथ विधायक श्री सिंह, जल संसाधन विभाग के तत्कालीन कार्यपालन यंत्री (ईई) वीके जैन और उनकी टीम ने तवा नदी का मौके पर निरीक्षण किया था जर्मन इंजीनियरों ने नदी की रेत का परीक्षण कर आधुनिक पिचिंग तकनीक सुझाई, जिसमें स्थानीय सामग्री का अधिकतम उपयोग हो। यह योजना जल संसाधन विभाग में लंबे समय से लंबित थी, लेकिन मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसे मंजूरी दे दी है। विधायक ने कहा, मुख्यमंत्री की घोषणा से यह सपना साकार होने जा रहा है। निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। प्रेसवार्ता में विधायक श्री सिंह ने 16 जनवरी को माखननगर में मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा की गई घोषणाओं का भी जिक्र किया गया। इनमें बाढ़ नियंत्रण, सड़क विकास और ग्रामीण कल्याण योजनाओं की उपलब्धियां शामिल हैं। विधायक ने राज्य सरकार की उपलब्धियों को सराहते हुए कहा कि नर्मदापुरम का हर गांव अब विकास की मुख्यधारा में है।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने संगठित की संगठन मजबूती की बैठक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने नर्मदापुर मंडल में संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। शक्ति केंद्र क्रमांक-1 के बूथ क्रमांक-116 पर हुई इस बैठक में एसआईआर, संगठन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।श्रीमती नारोलिया ने बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की नींव है। इससे केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी और जनसंपर्क को प्रभावी बनाने का आह्वान किया। बैठक में मंडल अध्यक्ष रुपेश राजपूत, बूथ अध्यक्ष धर्मेंद्र जाट, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया, एसआईआर मंडल संयोजक महेश सेन, बूथ अध्यक्ष सचिन तोमर, उमेश गोस्वामी, विशाल दीवान सहित महिला पदाधिकारी,बीएलओ अधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखंड रामायण पाठ का भव्य आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो। मोनी अमावस्या के पावन अवसर पर पहा? पर स्थित काली माता मंदिर में अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। इस पावन धार्मिक आयोजन की शुरुआत पूर्व मंत्री स्व. श्री लक्ष्मीकांत शर्मा के द्वारा की गई थी। तभी से यह आयोजन प्रतिवर्ष निरंतर श्रद्धा और आस्था के साथ किया जा रहा है। अखंड रामायण पाठ के दौरान मंदिर परिसर राममय वातावरण से गुंजायमान रहा। आयोजन के समापन अवसर पर विधिवत हवन-पूजन किया गया, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य कृष्ण बिहारी पाण्डेय, सत्यनारायण शर्मा सरसिज शर्मा, दीनदयाल शर्मा, मनमोहन साहू, संतोष चोरे के साथ बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे और उन्होंने रामायण पाठ का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर 5 महीने बाद फिर लहराया 100 फीट ऊंचा तिरंगा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। नर्मदापुरम अमृत भारत स्टेशन पर सोमवार दोपहर रेलवे की तकनीकी टीम ने 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा दोबारा लहरा दिया। पिछले पांच महीनों से तकनीकी खराबी के कारण तिरंगा हटाया गया था, स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता मनीष परदेशी ने इस मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने रेल मंत्री को एक्स (पूर्व ट्विटर) पर और स्टेशन मास्टर को पत्र लिखकर तिरंगा हटाने की शिकायत की। मनीष ने बताया,रेलवे प्रबंधन की लापरवाही से 100 फीट ऊंचा पोल शोपीस की तरह खड़ा था, जो स्टेशन की सुंदरता खराब कर रहा था। मैंने स्टेशन मास्टर को पत्र देकर गणतंत्र दिवस से पहले तिरंगा लगवाने का आग्रह किया था। रेलवे टीम ने तकनीकी समस्या दूर कर सोमवार को तिरंगा शान से लहरा दिया। इससे स्टेशन पर देशभक्ति का रंग लौट आया है। मनीष परदेशी ने इसे स्थानीय प्रशासन की सक्रियता का परिणाम बताया।

मां नर्मदा प्रकोटत्सव पर डिजीटल आतिबाजी और लेजर शो होगा आकर्षण का केंद्र

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो। मां नर्मदा प्रकोटत्सव एवं नगर गौरव पर आयोजित समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार डिजीटल अतिबाजी भी की जाएगी जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण केंद्र रहेगी। इसके लिए नगरपालिका द्वारा एक टीम गठन किया गया है। आज तैयारियों को लेकर नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के साथ विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, भाजपा नेता हंस राय आदि द्वारा निरीक्षण किया गया। साथ ही कार्य को तेजगति से करने के निर्देश दिए गए। घाटों की पुताई का उनके द्वारा मोटर बोट से निरीक्षण किया गया। नपा से गौरव वर्मा ने बताया कि नपाध्यक्ष श्रीमती यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती पटले के मार्गदर्शन में मां नर्मदा प्रकोटत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस बार डिजीटल तरीके से आतिशबाजी की जाएगी जो आकर्षण का केंद्र रहेगी। साथ ही लेजर लाइट शो का आयोजन भी किया जाएगा।

पुलिस ने दबिश देकर 7 पेटी देशी शराब एवं एक कार जप्त कर दो आरोपियों को पकड़ा

तेंदूखेड़ा। तेंजगढ पुलिस ने मुखविर की सूचना पर दविश देकर एक कार सहित 7 पेटी देशी शराब जप्त की गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि एक चार पहिया वाहन मे अवैध शराब परिवहन कर झलोन की तरफ ले जाई जा रही है, जो थाना प्रभारी तेजगढ़ उपनिरी. अरविन्द सिंह ठाकुर ने टीम बनाकर तेजगढ झलोन रोड साज वाली झील के पास दबिश देकर चार पहिया आई 20 वाहन क्र. यूपी 14 बीवाए 5949 को घेरा बन्दी कर रोका गया जिसमे दो व्यक्ति सवार थे, सत्यम सिंह लोधी पिता नबल सिह लोधी उम्र 19 साल निवासी ग्राम वंशीपुर एवं शेरा सिह लोधी पिता रज्जन सिंह लोधी उम्र 21 साल निवासी जरारी कालोनी थाना जबेरा जिला दमोह का होना बताया, कार की तलाशी लेने पर 5 पेटी लाल मसाला एवं 2 पेटी देशी प्लेन मदिरा कुल मात्रा 63 लीटर शराब कीमती करीब 33000 रूपये की पाई गई, शराब के सम्बन्ध मे आरोपीयो द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर उक्त शराब एवं फोर व्हीलर आई 20 गाडी कीमती करीब 4 लाख रूपये की जप्त की गई।

मनरेगा बचाओ ग्राम चौपाल में चुनावी मूड में दिखे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

मजदूरों से मिस्ड कॉल करवाकर जीराम जी का विरोध दर्ज करवाया पचांयत कमेटी के सदस्यों कहा हर सदस्य 25 सदस्य जोड़े

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस चुनावी चुनावी मूड में आ गई है। सोमवार को सिरोंज आए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह जिस तरह से 2 घंटे तक देवपुर में रूके और कार्यकर्ताओं से चर्चा की उससे ऐसा ही लग रहा है। वे दोपहर में ढाई बजे देवपुर में मनरेगा बचाओ ग्राम चौपाल पहुंचे थे। यहां देवपुर उपब्लाक द्वारा राजपूत कटारिया समाज के मंदिर के पीछे चौपाल का आयोजन किया गया। यहां कोई मंच नहीं लगा था और दिग्विजय खुद भी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ जमीन पर ही बैठे। इस दौरान उन्होंने आसपास खड़े नेताओं को हटने की हिदायत देते हुए देवपुर के लोगों को पास आने की बात कही। इनके इतना कहते ही कुछ कांग्रेसी तो पीछे चले गए लेकिन कई नेता उन्हें घेरे ही बैठे रहे। इसके बाद सिंह ने कांग्रेस की पंचायत कमेटी के सदस्यों का परिचय लेकर उनसे अपनी बात कही। बात यहीं खत्म नहीं हो कि आपको पद मिल गया। अब आपको 25-25 सदस्यों को भी जोड़ना है। इस तरह से आपकी पंचायत में 200 लोग जुड़े जाएंगे। जो चुनाव में प्रचार कर जनता के बीच कांग्रेस की बात लेकर पहुंचेगे। उन्होंने कहा कि पहले पंचायत को हमने कई अधिकार दिए थे। नामांतरण और बंटवारा भी पंचायत स्तर पर हो जाता था। भाजपा के आने के बाद लोगों को फिर से तहसीलदार और पटवारी के चक्कर काटना पड़ रहे हैं। ये जनता की नहीं अफसरों की सरकार है। अमीर और अमीर और गरीब और गरीब हो रहा है। हमें यह सरकार बदलना है।

मनरेगा मजदूरों से की चर्चा: कार्यक्रम स्थल पर मनरेगा मजदूरों को भी बुलाया गया था। उन्हें केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने के साथ ही योजना में किए जाने वाले फेरबदल की जानकारी भी दी गई। सिंह ने मजदूरों से चर्चा की तो बरेंडा से आई महिला ने कहा कि 2008 से जॉब कार्ड तो बना है लेकिन मजदूरी आज तक नहीं मिली। इस दौरान मजदूरों ने बताया कि पंचायत में अधिकांश काम मशीनों से होता है। सिंह ने मजदूरों और मौजूद कार्यकर्ताओं के मोबाइल से एक मिस्ड कॉल करवाकर जीराम जी को लेकर विरोध भी दर्ज करवाया।

बीएलओ को मौके पर बुलवाकर अपनी बात कही: पूर्व मुख्यमंत्री ने एसआईआर को लेकर भी अपनी बात रखी। देवपुर में 74 लोगों के नाम कट गए हैं। सिंह ने मौके पर ही मतदान केन्द्र के बीएलओ को बुलाया और उनसे चर्चा कर दस्तावेजों से जुड़ी जानकारी लेकर अपनी बात कही।

उप ब्लॉक अध्यक्ष खुद पत्नी को लेकर नहीं आए: देवपुर पंचायत की सरपंच सिंधू रावत है। उनके पति अर्जुन राजपूत ही उप ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं। कांग्रेस पंचायत समिति की चर्चा के दौरान सरपंच को भी बुलाया गया था। बावजूद इसके देवपुर की सरपंच यहां नहीं पहुंचे। सरपंच से जुड़े सवालों जवाब अर्जुन ही देते रहे। मजे की बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री भी अर्जुन को ही ही सरपंच कह कर संबोधित करते रहे।

आधा घंटे तक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से की चर्चा: संगठनात्मक चर्चा के बाद भी सिंह मौके पर ही आधा घंटे तक रूके रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से काफी देर तक चर्चा की। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी, पूर्व मंत्री प्रभुसिंह ठाकुर, ब्लाक अध्यक्ष सुरेश यादव, किसान नेता सुरेन्द्र रघुवंशी, अवधनारायण श्रीवास्वत तथा केसर खान आदि मौजूद थे।

अमर्यादित व्यवहार के कारण सन्नी लालवानी समाज से निष्कासित

पूज्य पंचायत सिंधी समाज का ऐतिहासिक निर्णय

इटारसी, दोपहर मेट्रो

पूज्य पंचायत सिंधी समाज ने सामाजिक अनुशासन को सर्वोपरि रखते हुए एक कड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। विगत कई महीनों से समाज के मान-सम्मान को ठेस पहुँचाने और पदाधिकारियों के विरुद्ध सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में सन्नी लालवानी पिता प्रकाशचंद लालवानी को सामाजिक गतिविधियों से पूर्णतः निष्कासित कर दिया गया है।

अमर्यादित आचरण और विवाद का मुख्य कारण: प्राप्त जानकारी के अनुसार, सन्नी लालवानी लंबे समय से विभिन्न सोशल मीडिया समूहों में पूज्य पंचायत सिंधी समाज के पदाधिकारियों और अन्य सम्मानित सदस्यों के खिलाफ झूठी, बेबुनियाद और गाली-गलौज युक्त पोस्ट साझा कर रहे थे। इन भ्रामक पोस्टों से समाज में रोष व्याप्त था।

बैठक में मारपीट और पुलिस कार्रवाई: इस विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से 16 नवंबर 2025 को सिंधी धर्मशाला में समाज के पदाधिकारियों की एक बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में जब सन्नी को समझाइश देने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने पदाधिकारियों के साथ न केवल गाली-गलौज की बल्कि मारपीट भी की। इसी संदर्भ में सिंधी पंचायत के संरक्षक मोहन मोरवानी की शिकायत पर इटारसी पुलिस थाने में सन्नी के विरुद्ध मामला दर्ज किया जा चुका है।

सर्वसम्मति से लिया गया फैसला: सिंधी समाज की विभिन्न समितियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। समाज के गौरव और मर्यादा को अक्षुण्ण रखने के लिए सभी समितियों ने एक स्वर में सन्नी लालवानी को समाज से बाहर करने का निर्णय लिया।

संपर्क का प्रयास रहा विफल: इस पूरे मामले पर सन्नी लालवानी का पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, परंतु उनका नंबर बंद पाया गया।

समाज का मत: पूज्य पंचायत सिंधी समाज ने बताया कि समाज में अनुशासनहीनता और पदाधिकारियों का अपमान स्वीकार्य नहीं है। सामाजिक एकता बनाए रखने के लिए यह कड़ा कदम उठाना अनिवार्य था।

नर्मदापुरम की बेटी ने देवास में जीता गोल्ड

नर्मदापुरम। देवास में आयोजित 5वीं भारत रत्न नेशनल कराटे चैंपियनशिप में नर्मदापुरम जिले की प्रतिभावान खिलाड़ी आरवी सराठे ने जीत का परचम लहराया है। आरवी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सब-जूनियर वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

सिद्ध स्थान पंडा बाबा में लक्ष्मी नारायण यज्ञ का भव्य आयोजन

तेंदूखेड़ा। जबलपुर मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पंडा बाबा श्री सिद्ध स्थान में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शुभारंभ दिनांक 14 जनवरी से हुआ, जो 20 जनवरी तक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हो रहा है। इस सात दिवसीय पुनीत यज्ञ में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। महायज्ञ के दौरान यज्ञाचार्य पंडित आनंद कृष्ण शास्त्री जी के सान्निध्य में विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में भगवान शिव का विल्व पत्रों द्वारा विशेष अर्चन कराया गया, जिसमें शिव भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव के साथ सहभागिता की। इस अर्चन के मुख्य यजमान गुड्डू दुबे, कमलेश साहू एवं वसंत यादव रहे, जिन्होंने भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन-अर्चन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस महायज्ञ के अंतर्गत एक विशाल संकल्प पद कांवड़ यात्रा का भी आयोजन किया जा रहा है।

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकली कलश यात्रा, 25 तक आयोजित होगी कथा

गंजबासौदा। सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा एवं महापुराण महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर सोमवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा जनपद पंचायत स्थित देवी मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल कामधेनु कॉलोनी साईं मंदिर पहुंची हुई, जिसमें बड़ी संख्या में सनातन प्रेमी, श्रद्धालु एवं नगरवासी शामिल हुए। कलश यात्रा में नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी सहित अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कथा व्यास जुगल महाराज के सान्निध्य में निकली इस यात्रा में कथा के यजमान देवेंद्र चौकसे, रवि चौकसे, राहुल चौकसे अपने परिवारजनों के साथ सिर पर पवित्र ग्रंथ धारण कर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से चलते नजर आए। कलश यात्रा में बाहर से आए कलाकारों द्वारा भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां दी गईं, वहीं बैंड दल के साथ धर्मेंद्र द्वारा यात्रा की अगुवाई की गई। पीले वस्त्र धारण कर सौभाग्य सामग्री से अलंकृत मातृशक्ति भी कलश लेकर अनुशासित रूप से शोभायात्रा में शामिल रही। नगर के विभिन्न मार्गों पर नागरिकों एवं दुकानदारों द्वारा पुष्पवर्षा कर जलपान की व्यवस्था कर तथा जयघोष के साथ कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। पूरी यात्रा के दौरान वातावरण भक्ति, श्रद्धा और उत्साह से सराबोर रहा। आयोजकों ने बताया कि कलश यात्रा के साथ ही श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत शुभारंभ हो गया है, जिसमें कथा प्रतिदिन 25 जनवरी तक दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक कामधेनु कॉलोनी में आयोजित होगी।

मेट्रो एंकर आनुवंशिक सुधार के लिए तैयारियां पूरी, 21 जनवरी को होगी मॉक एक्सरसाइज

सतपुड़ा से बांधवगढ़ शिफ्ट होंगे 27 बायसन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में आनुवंशिक सुधार के उद्देश्य से 27 बायसन 22 से 27 जनवरी के बीच शिफ्ट किए जाएंगे। प्रबंधन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं, जिसमें वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) और अन्य टाइगर रिजर्व के साथ समन्वय शामिल है।बांधवगढ़ में रिकवरी प्रोग्राम के तहत कुल 50 बायसन भेजने जाने है। पहले फेज में फरवरी 2025 में 23 बायसन शिफ्ट हो चुके हैं, जबकि इस दूसरे फेज में शेष 27 बायसन भेजे जाएंगे। एसटीआर नर्मदापुरम की फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया कि शिफ्टिंग के दौरान 300 से 350 कर्मचारी एक साथ कार्य करेंगे। इसमें चूरना और बोरी क्षेत्र से बायसन पकड़ना, ट्रांसपोर्टेशन और छोड़ना शामिल है। उन्होने बताया की पहली बार एसटीआर से जून 2024 में संजय दुबरी टाइगर रिजर्व में 16 बायसन पुनर्स्थापित किए गए थे। फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया की, सतपुड़ा में बायसन की अच्छी संख्या और उपयुक्त हैबिटेट उपलब्ध है, जहां गौर व सांभर प्रचुर मात्रा में हैं। इसलिए यहां से बायसन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 21 जनवरी को मॉक एक्सरसाइज होगी। वहीं शिफ्टिंग 22 से 27 जनवरी तक चलेगी। प्रबंधन के पास 10 गाड़ियां उपलब्ध हैं और हाथी-ट्रक सहित अन्य संसाधनों के लिए बांधवगढ़ व अन्य रिजर्व से समन्वय हो चुका है। कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है।

युवक ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

तेंदूखेड़ा। वार्ड क्रमांक 6 में अज्ञात कारणों के चलते एक युवक द्वारा घर के अंदर फांसी के फंदे से लटकर अपनी जान देदी है। सुबह परिजन ने खिड़की से देखा की युवक फंदे से लटका हुआ है। पुलिस के अनुसार प्रेम पिता गिन्दी अहिरवार (25) ने अपने ही घर में अज्ञात कारण के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिजनों की सूचना पर थाने से एएसआई गजराज ठाकुर एवं प्रधान आरक्षक रवि सेन मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारकर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया व पोस्टमार्टम बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया गया।

न्यूज विंडो

शंकराचार्य व संतों के साथ अभद्रता शर्मनाक : सांसद श्रीधर शर्मा

अमरकंटक। परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने व्यथित मन और आक्रोशित स्वर में वर्तमान सरकार और उनकी सुरक्षा प्रणाली पर तंज कसते हुए कहा कि प्रयागराज में मां गंगा की पावन धरा जहां साधु संतों की तपोस्थली के रूप में शुमार है और कई संतों ने अपने तपोबल से मां गंगा के पावन धाम को सुसज्जित किया, आज वर्तमान समय में साधुओं और संतों को अपमान और उद्दंड मानसिकता का दंश झेलना पड़ रहा है जो कि आने वाले समय में सृष्टि के संचालन के दृष्टिगत उचित नहीं है और वर्तमान सरकार और उनकी सुरक्षा प्रणाली की यह शर्मनाक हरकत है, जो कि इस देश में सनातनी ध्वज को लेकर अग्रसर समस्त सनातनियों को प्रताड़ित करने पर आमादा हैं और निरंतर इस प्रकार के कृत्य आम हो चले हैं। श्री शर्मा ने बताया कि यह सुनकर मन व्यथित है कि ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य परम पूज्य गुरुदेव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज अपने शिष्यों सहित मां गंगा के दर्शन व स्नान के लिए प्रयागराज पहुंचे थे, जहां सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही उत्तर प्रदेश पुलिस योगी राज में गुंडाराज चलाती हुई दिखाई दी और उनके शिष्यों को बाल पकड़कर मारपीट कर अपनी कुंठित मानसिकता का परिचय दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी स्वयं एक संत समुदाय के प्रतिष्ठित संत हैं, फिर उनके राज्य में संतो की यह दुर्दशा क्यों? आखिर संत समुदाय को कब तक इस प्रकार के अपमान का हलाहल पीना पड़ेगा? क्या संतो के ऐसे अपमान पर सरकार कोई ठोस कदम उठाएगी? कहीं संतो का यह अपमान किसी बड़े प्रलयंकारी परिणाम का संकेत तो नहीं?

गुम हुआ कीमती लैपटॉप सुरक्षित बरामद

पुलिस की सतर्कता, तकनीक ने बचाया एक रोजगार सहायक का भविष्य

सागर. पुलिस के सीसीटीवी कंट्रोल रूम की सतर्क निगरानी प्रणाली, तकनीकी दक्षता एवं वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन के परिणामस्वरूप एक ग्राम रोजगार सहायक का कीमती लैपटॉप एवं महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज सुरक्षित रूप से बरामद कर उन्हें वापस सौंपे गए। जानकारी के अनुसार अतुल आठिया, ग्राम रोजगार सहायक, भोपाल से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने चार अन्य साथियों के साथ सागर लौट रहे थे। 17 जनवरी की रात्रि लगभग 2 से 3 बजे, राजघाट चौराहे पर वाहन से उतरते समय उन्होंने अपना लैपटॉप बैग एवं जैकेट फुटपाथ पर स्थित बैंच पर रख दिया। आपसी भ्रम के कारण सामान वहीं छूट गया, जिसकी जानकारी उन्हें तत्काल नहीं हो सकी। दूसरे दिन शाम को याद आने पर साथियों से पूछताछ की, परंतु लैपटॉप किसी के पास नहीं मिला। पूरे दिन प्रयास के बावजूद जब लैपटॉप का पता नहीं चला, तब थाना गोपालगंज में प्रधान आरक्षक अनिल प्रभाकर को सूचना दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव उइके को संपूर्ण जानकारी फोन के माध्यम से अवगत कराई गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल कंट्रोल रूम में पदस्थ उप निरीक्षक आर.के.एस. चौहान को लैपटॉप खोजने के लिए निर्देशित किया गया।उप निरीक्षक चौहान द्वारा महिला प्रधान आरक्षक रेखा रजक, आरक्षक योगेश ठाकुर के साथ मिलकर सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया गया।

तेलुगु सिनेमा के जाने-माने अभिनेता मेका श्रीकांत पहुंचे महाकाल का आशीर्वाद लेने

उज्जैन। तेलुगु सिनेमा के जाने-माने अभिनेता मेका श्रीकांत

मंगलवार तड़के चार बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। श्रीकांत ने भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। श्रीकांत नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल की आरती देखते नजर आए। इस दौरान वे भगवान महाकाल का जाप करते रहे। भस्म आरती के बाद उन्होंने नंदी का पूजन किया और देहरी से भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर उन्होंने पंडित के माध्यम से भगवान को जल अर्पित किया।

जमीन विवाद में खेत पर हुई मारपीट....धामनोद पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

भाजपा विधायक कालूसिंह ठाकुर पर हमला... सिर में आई गंभीर चोटे

धार। दोपहर मेट्रो

धार जिले की धरमपुरी विधानसभा से भाजपा विधायक कालुसिंह ठाकुर पर प्राणघातक हमला हो गया है। विधायक ठाकुर अपने साथियों के साथ खेत पर गए थे, जहां पर पडोसी ने विवाद के दौरान सिर पर पत्थर विधायक को मारा है। सिर में गंभीर चोट होने के चलते परिजन व साथ ही विधायक ठाकुर को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे थे, जहां पर प्राथमिक उपचार देकर विधायक को भर्ती कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार धामनोद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिरसोदिया में सोमवार को जमीन विवाद को लेकर गंभीर घटना सामने आई। फोरलेन के पास स्थित यात्री प्रतिक्षालय के पीछे विधायक का खेत है। फरियादी विधायक कालूसिंह ठाकुर ने बताया कि वह अपने साथियों नारायण सिंगार, नवदीप निंगवाल और गनमेन कैलाश पवार के साथ खेत में चल रहे कार्य को देखने

पहुंचे थे। इसी दौरान,खेत पड़ोसी प्रिन्स उर्फ पिंटू, गेन्दाबाई पति संतोष गिरवाल और रंजु पति शंकर गिरवाल निवासी ग्राम सिरसोदिया वहां आए और जमीन को अपनी बताते हुए विवाद करने लगे। आरोपियों ने विधायक ठाकुर को गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान प्रिन्स ने पत्थर से विधायक कालू सिंह ठाकुर के सिर पर वार किया, जिससे खून बहने लगा, जबकि अन्य आरोपियों ने थप्पड़-मुक्कों से मारपीट की। घटना के बाद साथियों ने , बीच-बचाव कर घायल विधायक को शासकीय अस्पताल धामनोद पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। धामनोद पुलिस ने, आरोपियों के खिलाफ, धारा 296(ए), 109, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

ग्राम सिरसोदिया में घटना हुई हैं, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरु की गई हैं, विधायक ठाकुर को सिर में चोट आई है।
-प्रवीण ठाकरे, थाना प्रभारी

धार के गुणावद में जमीन विवाद में जमाई ने ससुर पर चलाई गोली

धार। धार के गुणावद में जमीन विवाद में जमाई ने ससुर पर चलाई गोली छर्रे लगने से बुजूर्ग गंभीर घायल, जांच में जुटी पुलिस धार। ग्राम गुणावद में जमाई ने ससुर को गोली मारी हैं, जिसमें ससुर चंदनसिंह पिता जीराती उम्र 60 साल को गोली के छर्रे लगने से अंदरुनी चोट आई है। घटना के बाद परिजन ही घायल को लेकर धार जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर प्राथमिक उपचार देने के बाद घायल को भर्ती कर लिया गया है। इधर पूरे मामले की जांच में स्थानीय पुलिस टीम जुट गई हैं, पुलिस ने आरोपी जमाई भेरुसिंह पिता निर्भयसिंह पटेल निवासी मुंडाला सहित एक अन्य युवक के खिलाफ प्राणघातक हमले को लेकर प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरु कर दी है।

यह था मामला : दरअसल सादलपुर थाना अंतर्गत ग्राम गुणावद में घायल चंदरसिंह राजपुत ने चार बीघा जमीन सहित एक मकान बना हुआ है। इस जमीन सहित मकान पर कब्जेद की बात को लेकर कल देर रात में ही गोली चली है।

छर्रे लगने से बुजूर्ग गंभीर घायल, जांच में जुटी पुलिस

घटना के तुरंत बाद परिजन घायल चंदर सिंह जिराती को धार जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें भर्ती कर प्राथमिक उपचार दिया गया। जिला अस्पताल के डॉक्टर बी.एल. पाटीदार ने बताया कि घायल के मुंह और नाक सहित चेहरे पर गंभीर चोट आई है। उनका सीटी स्कैन कराया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें इंदौर रेफर किया गया। डॉक्टर ने बताया कि मामले की एमएलसी भी तैयार कर ली गई है। घायल की पत्नी ने बताया कि करीब दो महीने पहले जमीन को लेकर उनके बेटे के ससुराल पक्ष से विवाद हुआ था। महिला का कहना है कि अचानक उनके पति गोली चली है। फायरिंग के दौरान वे कुछ समझ नहीं पाई। वहीं घायल के बेटे अर्जुन सिंह जिराती ने बताया कि उनके पिता घर पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी आए व पहले गाली-गलौज की गई और इसके बाद दो लोगों ने गोली चला दी।

इनका कहना हैं, कि ग्राम गुणावद में जमीन विवाद को लेकर एक व्यक्ति को छर्रे लगे हैं। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को भर्ती कर लिया गया है। पुलिस ने भेरुसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया हैं, आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर दो टीमें कल देर रात से ही दबिश दे रही है। जल्द ही आरोपी अरेस्ट किया जाएगा।
-सविता चौधरी, थाना प्रभारी

भीड़ नियंत्रण के लिए जिगजैग और लोहे की दीवारें बनाई

बसंत पंचमी पर भोजशाला में सुरक्षा के अभेद्य इंतजाम, छह सेक्टरों में बंटा परिसर

धार। आगामी बसंत पंचमी महोत्सव को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। इस वर्ष 23 जनवरी को बसंत पंचमी के साथ शुक्रवार का संयोग होने के कारण पुलिस ने विशेष सुरक्षा रणनीति तैयार की है। भोजशाला और उसके आसपास के क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है, ताकि शांति और व्यवस्था बनी रहे।

जिगजैग और लोहे की दीवारें: श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए भोजशाला के मुख्य प्रवेश मार्ग पर जिगजैग बैरिकेडिंग की गई है। श्रद्धालुओं को कई राउंड घूमने के बाद परिसर के भीतर प्रवेश मिलेगा। इसके अतिरिक्त, परिसर के पिछले हिस्से यानी विक्रम नगर गेट से लकड़ी पीठे तक लोहे की चादरों की एक ऊंची और मजबूत दीवार खड़ी की गई है। निगरानी के लिए ऊंचे वॉच टॉवर बनाए गए हैं, जहां से पुलिस जवान दूर तक नजर रख सकेंगे।

छह सेक्टरों में निगरानी और कंट्रोल रूम

प्रशासन ने पूरी व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए भोजशाला परिसर को छह अलग-अलग सेक्टरों में विभाजित किया है। प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी अलग-अलग अधिकारियों को सौंपी गई है। परिसर में ही एक अस्थायी चौकी और आधुनिक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। पूरे इलाके को तीसरी आंख के दायरे में रखा गया है, जिसकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से 24 घंटे की जाएगी।

शहर के प्रवेश द्वारों पर कड़ी नाकेबंदी

सुरक्षा केवल भोजशाला तक सीमित नहीं है। धार शहर में प्रवेश करने वाले सभी प्रमुख नाकों पर अस्थायी पुलिस चौकियां बनाई गई हैं। यहां तैनात जवान शहर में आने वाले हर संदिग्ध व्यक्ति और वाहन की सघन चेकिंग कर रहे हैं। पुलिस के मोबाइल वाहन भी पूरे शहर में लगातार गश्त कर रहे हैं ताकि सुरक्षा घेरा मजबूत बना रहे।

सत्याग्रह को लेकर अलर्ट मंगलवार को होने वाले सत्याग्रह के मद्देनजर भी सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। प्रशासन का मुख्य फोकस 23 जनवरी को लेकर है, क्योंकि एक ही दिन बसंत पंचमी और शुक्रवार होने से संवेदनशीलता बढ़ गई है।

लोकायुक्त की कार्यवाही..... पटवारी 20 हजार लेते हुए अरेस्ट

पुश्तैनी जमीन का नक्शा सुधार करने के एवज में मांगी 50 हजार की रिश्वत

धार। पुश्तैनी कृषि भूमि के नक्शे में सुधार करने के एवज में रिश्वत मांगने वाले पटवारी के खिलाफ इंदौर लोकायुक्त की टीम द्वारा कार्यवाही की गई है। आरोपी सुनील बेनल ने किसान से त्रुटियों को दुरुस्त करने के बदले में 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग रखी थी। सोमवार दोपहर के समय बुजूर्ग किसान जब 20 हजार रुपए देने के लिए पहुंचा तभी लोकायुक्त के अधिकारियों रिश्वतखोर पटवारी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार बदनावर तहसील के ग्राम भीमपुरा में किसान नारायण सिंह परिहार उम्र 60 वर्ष की पुश्तैनी कृषि भूमि है। मौका कब्जा अनुसार नक्शा प्रदर्शित नहीं होने से किसान द्वारा त्रुटियों को दूरस्थ करने हेतु लगभग डेढ वर्ष पहले एसडीएम कार्यालय बदनावर में आवेदन पत्र दिया था। हालांकि लंबा समय बीतने के बाद कार्यवाही नहीं होने पर बुजूर्ग किसान हल्का नंबर 47 (नया-75) वनवासा के पटवारी सुनील बेनल से मिले। पटवारी बेनल ने किसान से नक्शा सुधार करने संबंधी फाइल एसडीएम कार्यालय बदनावर भिजवाने के एवज 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। किसान ने इस बात की शिकायत इंदौर लोकायुक्त कार्यालय में की थी। एसपी राजेश सहाय के निर्देशन में ट्रैप दल का गठन किया गया। आरोपी सुनील बेनल पटवारी को रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7 के अंतर्गत कार्यवाही की गई है। कार्यवाही निरीक्षक सचिन पटेरिया, कार्यवाहक प्रआर विवेक मिश्रा, आरक्षक विजय कुमार, आरक्षक शैलेन्द्र सिंह बघेल, चालक शेरसिंह ठाकुर एवं आरक्षक कृष्णा अहिरवार द्वारा की गई।

बकाया करों की वसूली के लिए गोपालगंज एवं वृंदावन वार्ड में आयोजित किया गया शिविर

सागर. नगर निगम सागर द्वारा बकाया करों की वसूली को लेकर नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से वार्डवार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार सोमवार को राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी की उपस्थिति में गोपालगंज एवं वृंदावन वार्ड में वसूली शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता करते हुए अपने नगर निगम के बकाया संपत्तिकर, जलकर एवं कचरा प्रबंधन शुल्क की राशि जमा की। शिविर में राजस्व विभाग के कर्मचारियों द्वारा करदाताओं को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई तथा सरल प्रक्रिया के माध्यम से करों का भुगतान कराया गया।

राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी ने बताया कि नगर निगम द्वारा आगामी दिनों में अन्य वार्डों में भी इसी प्रकार कर वसूली शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी कड़ी में मंगलवार को वार्ड के नागरिकों के लिए बकाया करों की राशि जमा करने के लिए शिवाजी नगर एवं मधुकरशाह वार्ड का शिविर पालिटेक्निक कालेज के पास आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग अपनी बकाया करों का समय पर भुगतान कर सकें।

मेट्रो एंकर निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

सौंदर्यीकरण के बाद जल्द ही शहर का छोटा तालाब भी स्वच्छ और सुंदर स्वरूप में नजर आएगा

सागर। दोपहर मेट्रो

ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील के संजय ड्राइव क्षेत्र स्थित छोटे तालाब के सौंदर्यीकरण एवं शुद्धिकरण का कार्य इसी वर्ष पूर्ण कर लिया जाएगा। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने सोमवार को छोटे तालाब में चल रहे सौंदर्यीकरण एवं शुद्धिकरण कार्यों के निरीक्षण के दौरान दी।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखते हुए तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना शहर की पहचान और नागरिकों की सुविधा से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-

सीमा में पूर्ण किए जाएं और निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। आयुक्त ने बताया कि छोटे तालाब के कायाकल्प के लिए व्यापक स्तर पर सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य किए जा रहे हैं। इनमें आकर्षक घाटों का निर्माण, नागरिकों के लिए वॉकिंग ट्रैक, तालाब में फाउंटेन की स्थापना, सुंदर एवं आधुनिक लाइटिंग व्यवस्था, बैठने के लिए बेंच, छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा, भगवान शिव की प्रतिमा, बच्चों के मनोरंजन हेतु टॉय ट्रेन, सुंदर मंडपम सहित अन्य आवश्यक विकास कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही तालाब के जल की स्वच्छता बनाए रखने के लिए शुद्धिकरण से जुड़े कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं।

निगमायुक्त ने कहा कि कार्य पूर्ण होने के उपरांत छोटा तालाब न केवल शहर की सुंदरता में चार चांद लगाएगा, बल्कि यह नागरिकों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि बड़े तालाब के सौंदर्यीकरण के बाद अब जल्द ही छोटा तालाब भी स्वच्छ और सुंदर स्वरूप में नजर आएगा, जिससे सागर शहर की छवि और अधिक सुदृढ़ होगी।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने संबंधित ठेकेदार को नियमित निगरानी रखते हुए कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी प्रकार की कमी समय रहते दूर की जा सके। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तालाब में किसी भी स्थिति में कचरा न डाला जाए, अन्यथा दोषियों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी।

69 प्रतिशत से अधिक हुआ मतदान

देवरी नपा में भरी और खाली कुर्सी के लिए मतदान शांतिपूर्ण रूप से संपन्न

सागर. देवरी नगर पालिका अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने के लिए सोमवार को मतदान शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान की चुनावी तैयारी पूरी की गई थी। सुबह 7 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक भरी कुर्सी और खाली कुर्सी के लिए मतदाताओं ने ईवीएम मशीन का बटन दबाकर मतदान किया। 15 वार्डों के लिए 30 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिनमें 69.29 प्रतिशत मतदान हुआ। एसडीएम श्री मुनव्वर खान ने बताया कि मतदान में 7242 पुरुष एवं 6095 महिला मतदाताओं ने अपना मतदान किया। इस प्रकार कुल 13,337 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा नियुक्त

प्रेक्षक भी लगातार निरीक्षण करते रहे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी. आर. के निर्देश पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश रावत, रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम मुनव्वर खान तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिंहा लगातार मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मॉनिटर करते रहे। रिटर्निंग अधिकारी मुनव्वर खान ने बताया कि मतगणना 21 जनवरी को प्रातः 8 बजे से नेहरू कॉलेज, देवरी में शुरू होगी।

गंभीर काल के 17 अनचाहे रिकॉर्ड्स; पांच फैसले, जिनकी हो रही आलोचना

भारतीय टीम का अंधकारमय दौर! टेस्ट में शर्मनाक हार

इंदौर, दोपहर मेट्रो

भारतीय क्रिकेट फिलहाल एक उलझन भरे मोड़ पर खड़ा है। पिछले एक दशक में टीम इंडिया ने कई ऊंचाइयों को छुआ। भारतीय टीम आईसीसी फाइनल्स में पहुंची...दो-दो आईसीसी ट्रॉफियां जीतीं, बल्लेबाजों ने विश्व स्तरीय रिकॉड्र्स बनाए, मजबूत गेंदबाजी के दम पर घर में टेस्ट और वनडे में रिकॉड्र्स भी बनाए, लेकिन गौतम गंभीर के कोचिंग दौर में ऐसा लग रहा है कि मंजिल धुंधली हो गई है।टेस्ट में लगातार ऐतिहासिक हार, घर में न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों के सामने टेस्ट और वनडे में हार,, बड़े चेज चूकना, दो दशक पुराने रिकॉड्र्स का टूटना, सब मिलाकर क्रिकेट प्रेमियों में बेचैनी बढ़ गई है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में 1-2 से वनडे सीरीज हार, इस बहस को फिर जिंदा कर गई है।

गंभीर की देखरेख में वनडे सीरीज का रिकॉर्ड- भारत ने गंभीर की कोचिंग में अब तक पांच प्रमुख द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली हैं और नतीजे चौंकाने वाले हैं। भारत ने पांच में से तीन सीरीज गंवाई हैं वह भी घर में और बाहर दोनों जगह। 2023 वनडे विश्व कप के बाद इस प्रारूप में भारत का हाल खराब रहा है। यानी संतुलन टूटा हुआ है और किसी भी शीर्ष टीम के लिए यह रिकॉर्ड खतरे की घंटी है।

गंभीर के कार्यकाल में कौन-कौन सी सीरीज खेली गईं- इस दौरान भारत ने तीनों प्रारूपों में भारी उतार-चढ़ाव देखा। भारत की टेस्ट टीम, जिसे कभी घरेलू सरजमीं पर अजेय दीवार कहा जाता था, अब लगातार हार का सामना कर रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 की हार के बाद दक्षिण अफ्रीका के हाथों 0-2 की सीरीज हार ने भारतीय क्रिकेट में हलचल मचा दी। क्रिकेट विश्लेषकों, पूर्व दिग्गजों और फैंस इस हार के लिए भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ कोच गंभीर को भी जिम्मेदार मान रहे हैं। कोच गंभीर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकर खुद पर आलोचनाओं का जवाब दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हटाने या नहीं हटाने का फैसला बीसीसीआई के हाथों में हैं, लेकिन बोर्ड को उनकी सफलताएं नहीं भूलनी चाहिए। अब एक बड़ा सवाल है क्या भारत की टेस्ट गिरावट के लिए गौतम गंभीर जिम्मेदार हैं? इस सूची में चैंपियंस ट्रॉफी जीतना सूर्य की एक किरण की तरह दिखाई देता है, लेकिन व्यापक तस्वीर अभी भी धुंधली है।

फैसले जिनकी सबसे ज्यादा आलोचना हो रही है

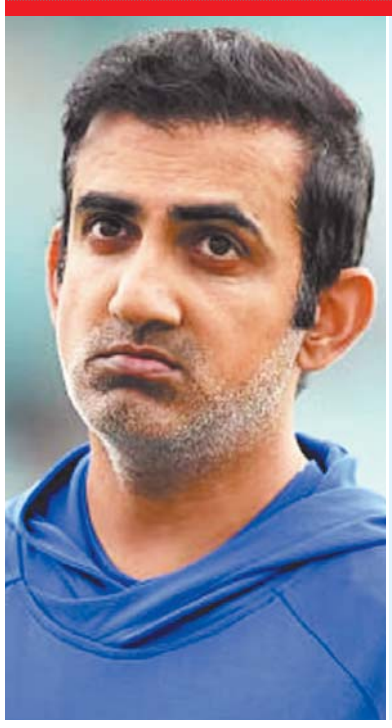

टेस्ट टीम में बार-बार बदलाव: सेट कॉम्बिनेशन गायब है। विशेषज्ञों की जगह ऑलराउंडर्स को तवज्जो दी जा रही है, जबकि टेस्ट में स्पेशलिस्ट खिलाड़ी मायने रखते हैं। पिछले एक साल में भारत ने बार-बार टीम चुनी, पिच चुनी, रणनीति बदली, पर स्थिरता कहीं नहीं दिखाई दी। पहली गलती के बाद ही खिलाड़ियों को बाहर करने की नीति ने टीम का आत्मविश्वास तोड़ दिया।

सीनियर खिलाड़ियों का रिटायरमेंट विवाद: विराट कोहली, रोहित शर्मा और अश्विन ने टेस्ट को अलविदा कह दिया। फैंस ने कहा कि टीम मैनेजमेंट और कोच की ओर दबाव बनाया गया। सच्चाई क्या है कोई नहीं जानता।

स्पिन अटैक में भी फुस्स हुए: भारतीय स्पिनर्स घर में भी बेरंग साबित हुए। कहा जा रहा है कि गंभीर की चाहत थी कि टेस्ट में भारत ऐसी पिचें बनाए जहां गेंद तीसरे सत्र से ही शार्प टर्न लें। लेकिन यह रणनीति बैकफायर हो गई। न्यूजीलैंड के बाद दक्षिण अफ्रीका ने इसका फायदा उठाया

कप्तान बदलने की रणनीति: इसने ड्रेसिंग रूम में असंतुलन बढ़ा। चैंपियंस ट्रॉफी की कामयाबी के बाद रोहित को अचानक कप्तानी से हटाना किसी के समझ नहीं आया। साथ ही टी20 टीम में शुभमन गिल को जबरदस्ती उपकप्तान बनाकर शामिल करना भी बैकफायर कर गया।

घर पर ही कमजोर बल्लेबाजी: टीम इंडिया को मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाज की कमी खल रही है, जो मैदान पर जम सके और गेंदबाजों को थका सकें। पारी को संभालने वाले बल्लेबाजों की कमी बार-बार सामने आ रही है। यही नतीजा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट में भारत की ओर से एक भी शतक नहीं लगा और न ही भारतीय टीम चार पारियों में एक बार भी 202 का आंकड़ा पार कर सकी।

अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल न करना: मोहम्मद शमी को चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से टीम में शामिल ही नहीं किया गया है, जबकि विजय हजारे में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। अक्षर पटेल को वनडे टीम से ड्रॉप किया गया और वॉशिंगटन सुंदर को तरजीह दी गई। बुमराह का वर्कलोड मैनेजमेंट जारी है, जबकि विजय हजारे में वह एक मैच भी नहीं खेले। हार्दिक पांड्या को भी आराम दिया गया।

लगातार नाकामियों से निराश हैं फैंस

भारतीय क्रिकेट में कुछ रिकॉर्ड बनते हैं, कुछ बनाना कोई नहीं चाहता, लेकिन गंभीर काल में बने कुछ रिकॉड्र्स फैंस को अंदर तक झकझोर गए। ये ऐसे रिकॉड्र्स थे, जो भारत को अपनी सरजमीं पर मजबूत बनाते थे, लेकिन विपक्षी टीमों ने इस दीवार को ढहा दिया। मिशन 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए भी ये अनचाहे रिकॉड्र्स परेशानी खड़ी करते हैं। इतिहास के इन धब्बों को नजरअंदाज करना अब मुश्किल है। इतिहास के इन धब्बों को नजरअंदाज करना अब मुश्किल है। इस सवाल का जवाब भावनाओं में नहीं, स्टैट में छिपा है। न्यूजीलैंड की ए या बी नहीं, सी टीम से भारत हारा है। कीवी टीम रचिन रवींद्र, विलियम्सन, सैंटनर, मिल्ने और मैट हेनरी के बिना आई थी, लेकिन तब भी भारत को उसके घर में हरा दिया।

फीफा वर्ल्ड 2026 से पहले कनाडा की टेंशन

हेल्थकेयर सिस्टम को दुरुस्त करने में जुटी सरकार मरीज बढ़ने पर हालात मुकिश्ल होने की संभावना

टोरंटो, एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की उलटी गिनती शुरू होते ही कनाडा में तैयारियों के साथ-साथ चिंता भी बढ़ने लगी है। टोरंटो और वैंकूवर में होने वाले मुकाबलों के लिए जहां लाखों विदेशी मेहमानों के आने की उम्मीद है, वहीं देश का पहले से दबाव में चल रहा हेल्थकेयर सिस्टम सरकार और डॉक्टरों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। कनाडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में छपे एक लेख में इमरजेंसी डॉक्टर और जर्नल की डिप्टी एडिटर डॉ। कैथरीन वार्नर ने साफ कहा है कि कनाडा का हेल्थ सिस्टम पहले ही अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रहा है। ऐसे में अगर वर्ल्ड कप के दौरान मरीजों की संख्या अचानक बढ़ी, तो हालात संभालना मुश्किल हो सकता है।

इस मामले पर डॉ। वार्नर ने बताया कि फिलहाल फ्लू सीजन के कारण ही देशभर के अस्पतालों में बेड और स्टाफ की कमी महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि बड़े आयोजनों के दौरान इमरजेंसी मामलों में उछाल आना आम बात है और कनाडा इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं दिखता। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बेवजह नहीं है। रिसर्च बताती है कि बड़े खेल आयोजनों के दौरान संक्रमण, फूड पॉइजनिंग, शराब के ज्यादा सेवन और मामूली से लेकर गंभीर चोटों के मामले तेजी से बढ़ते हैं। 2010 में वैंकूवर ओलंपिक के दौरान खसरे का संक्रमण फैला था, जिसके बाद दर्जनों मामले सामने आए। वहीं, कैलगरी स्टाम्पीड जैसे आयोजनों में हर साल इमरजेंसी वार्ड पर अतिरिक्त दबाव देखा जाता है। इतना ही नहीं, अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि वर्ल्ड कप जैसे हाई-टेंशन मैचों के दौरान दिल से जुड़ी आपात स्थितियां बढ़ जाती हैं।

खसरा और कोविड-19 सबसे बड़ा खतरा

कनाडा इस बार अमेरिका और मैक्सिको के साथ मिलकर फीफा2026 की मेजबानी कर रहा है। टोरंटो में 6 और वैंकूवर में 7 मैच खेले जाएंगे। पब्लिक हेल्थ ओंटारियो की रिपोर्ट के मुताबिक, इतनी बड़ी भीड़ के बीच खसरा, कोविड-19 और खाने-पीने से फैलने वाली बीमारियों का खतरा ज्यादा रहेगा। वैंकूवर इंफेक्शियस डिजीज सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ३ ब्रायन कॉनवे का कहना है कि हाल के सालों में खसरे के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और कनाडा अपनी फ्रमीजल्स-फ्रीफ्र स्थिति भी खो चुका है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि यात्रा से पहले वैक्सीनेशन जरूर अपडेट रखें।

सरकार और अस्पताल अलर्ट मोड में

हालांकि, स्वास्थ्य प्रशासन का दावा है कि हालात से निपटने की पूरी तैयारी की जा रही है। वैंकूवर और टोरंटो के बड़े अस्पतालों ने इमरजेंसी प्लान तैयार कर लिए हैं। जरूरत पड़ने पर नॉन-इमरजेंसी सर्जरी टाली जा सकती है और अतिरिक्त स्टाफ को बुलाया जाएगा। टोरंटो पब्लिक हेल्थ ने भी खास इंतजामों की घोषणा की है। स्टेडियम और फैन जोन में वेस्टवॉटर टेस्टिंग के जरिए संक्रमण की शुरुआती पहचान की जाएगी। इसके अलावा फूड इंस्पेक्शन को लेकर एक नया पोर्टल लॉन्च किया जा रहा है, ताकि किसी भी बीमारी की सूचना तुरंत साझा की जा सके। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्ल्ड कप देखने जाने वाले फैंस को वैक्सीनेशन, ट्रैवल इंश्योरेंस और हेल्थ प्रिकॉशंस को लेकर खास सतर्कता बरतनी चाहिए। भीड़भाड़ वाले इलाकों में सावधानी और छोटी-सी लापरवाही से बचाव ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच होगा। स्न्नद्बस्न 2026 कनाडा के लिए खेल के साथ-साथ हेल्थकेयर सिस्टम की भी बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।

संन्यास से लौटेंगे दुनिया के सबसे तेज धावक उसैन बोल्ट!

एथलेटिक्स नहीं, एलए ओलंपिक 2028 में इस खेल में हिस्सा लेने पर निगाह

दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के सबसे तेज धावक माने जाने वाले जमैका के दिग्गज उसैन बोल्ट ने संन्यास के बाद एक बार फिर ओलंपिक में शामिल होने की इच्छा जताई है, लेकिन इस बार लक्ष्य ट्रैक एंड फील्ड नहीं, बल्कि क्रिकेट है। 128 साल बाद क्रिकेट को लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक्स में शामिल किया जा रहा है और इसी बीच बोल्ट ने कहा कि वे इस खेल में अपना हाथ आजमाना चाहेंगे।

कम ही लोग जानते हैं कि करियर की शुरुआत में बोल्ट तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। कैरेबियाई संस्कृति में क्रिकेट गहराई से जुड़ा हुआ है और बोल्ट भी उसी माहौल में पले-बढ़े। बाद में उनके स्कूल के क्रिकेट कोच ने उन्हें ट्रैक एंड फील्ड की ओर धकेला और इतिहास बदल गया। बोल्ट ने एस्क्वायर मैगजीन से बात करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, मैं प्रोफेशनल खेलों से खुशी-खुशी संन्यास ले चुका हूं। मैंने लंबे समय से क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन अगर वे मुझे बुलाते हैं तो मैं तैयार रहूंगा!

बोल्ट ने एथलेटिक्स में रचे इतिहास

8 ओलंपिक गोल्ड मेडल
11 वर्ल्ड चैंपियनशिप गोल्ड
100 मीटर (9.58 सेकंड) और 200 मीटर (19.19 सेकंड) स्प्रिंट के वर्ल्ड रिकॉर्ड आज भी कायम
तीन ओलंपिक (बीजिंग 2008, लंदन 2012, रियो 2016) में डबल गोल्ड
2017 में उन्होंने संन्यास लिया और आज भी उन्हें दुनिया का सबसे महान स्प्रिंटर माना जाता है।

क्रिकेट और बोल्ट का पुराना रिश्ता

2014 में भारत में युवराज सिंह और हरभजन सिंह के साथ एग्जीबिशन मैच खेला था।
टी20 विश्व कप 2024 के ब्रांड एंबेसडर बने थे।
कैरेबियाई क्रिकेट संस्कृति से हमेशा जुड़े रहे।
लॉस एंजिलिस 2028 में क्रिकेट की वापसी
128 साल बाद खेल की ओलंपिक में वापसी
पुरुष और महिला, दोनों क्रिकेट श्रेणी में 6-6 टीमें होंगी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

मैं लौटूंगी या नहीं..., सिंगर नेहा कक्कड़ ने लिया ब्रेक, पोस्ट से मची हलचल

बॉलीवुड की टैलेंटेड और फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ ने अपने लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट से हलचल मचा दी है। नेहा ने कहा कि वो ब्रेक लेना चाहती हैं। उन्हें रिश्तों से, काम से और हर जिम्मेदारी से ब्रेक चाहिए। नेहा की पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। फैंस उन्हें लेकर चिंता में हैं कि आखिर सिंगर को क्या हुआ है।

नेहा कक्कड़ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा कि उन्हें अब ब्रेक चाहिए। वो हर चीज से ब्रेक चाहती हैं। वो वापस लौटेंगी भी या नहीं उन्हें ये भी नहीं पता। नेहा ने पहली पोस्ट में लिखा- जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और हर एक चीज से ब्रेक लेने का समय आ गया है। मुझे नहीं पता कि मैं वापस लौटूंगी या नहीं। थैंक्यू। इसके साथ उन्होंने हाथ जोड़ने वाली इमोजी भी बनाई है।

पैप्स-फैंस से नेहा की रिक्वेस्ट- नेहा ने फिर दूसरी पोस्ट में पैपराजी से भी रिक्वेस्ट की कि उन्हें वो कैप्चर न करें। उन्होंने पैप्स से उन्हें प्राइवेसी देने को कहा। नेहा ने लिखा- मैं फैंस और पैपराजी के रिक्वेस्ट करती हूं कि मुझे बिल्कुल भी कैप्चर न करें। उम्मीद करती हूं कि आप मेरी प्राइवेसी की इज्जत करेंगे और इस दुनिया में मुझे आजादी से जीने देंगे। कोई कैमरा नहीं प्लीज।।।मेरी विनती है। मुझे शांति देने के लिए आप कम से कम इतना कर सकते हैं।

म्यूजिक इंडस्ट्री में जाना माना नाम है नेहा

नेहा कक्कड़ के करियर ग्राफ की बात करें तो वो म्यूजिक इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। नेहा ने अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत रियलिटी शो इंडियन आइडल से की थी। नेहा शो तो नहीं जीत पाई थीं। मगर अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली। नेहा ने एक के बाद एक कई सुपरहिट गाने दिए। नेहा की आवाज और उनकी गायकी ने हर किसी को दीवाना कर दिया। नेहा जिस रियलिटी शो को हारी थीं उसी रियलिटी शो इंडियन आइडल में उन्हें कई दफा जज बनने का मौका मिला। नेहा ने अपने करियर में सेकंड हैंड जवानी, कर गई चुल, मिले हो तुम हमको, काला चश्मा, दिलबर, साकी साकी जैसे कई हिट गाने गाए हैं।

स्क्रिप्ट में नहीं था किसिंग सीन, इमरान हाशमी संग रोमांस पर बोलीं जोया अफरोज

हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज Taskaree: The Smugglers Web' को इसके सब्जेक्ट, ट्रीटमेंट, मजेदार और ड्रामेटिक पलों और कास्टिंग के लिए बहुत पसंद किया गया है। एक्ट्रेस जोया अफरोज़ ने स्मगलर (शरद केलकर) की कोर टीम में जासूस प्रिया खुबचंदानी के रोल में अपनी छाप छोड़ी है। इसके साथ ही इमरान हाशमी के साथ उनकी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया है। बॉलीवुड हंगामा के साथ एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में जोया ने नेटफ्लिक्स वेब सीरीज को मिले रिस्पॉन्स और को-एक्टर इमरान हाशमी के साथ भी किए शूट के कुछ पलों के बारे में बात की है। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि आप दोनों (जोया-इमरान) के कुछ रोमांटिक पल थे और ऐसा लगा कि उस सीन में किस होगा जहां प्रिया सेफ हाउस में अर्जुन को कसकर गले लगाती है।

क्या स्क्रिप्ट में किस था या यह शुरू से ही प्लान नहीं किया गया था? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, किस कभी लिखा ही नहीं गया था। उस सीन में इंटीमेसी कमजोरी से आनी थी, न कि फिजिकल होने से। कभी-कभी संयम, पूरा करने से कहीं ज्यादा बताता है, खासकर ऐसी कहानी में जहां भरोसा ही नाजुक हो। वहीं तस्करी के सीजन-2 पर एक्ट्रेस ने कहा, यह पूरी तरह से क्रिएटर्स के हाथ में है। अगर कहानी स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ती है और प्रिया की यात्रा में ईमानदारी से जाने के लिए कोई जगह है, तो मैं उसे एक्सप्लोर करने के लिए उत्साहित हूं, और जाने के लिए तैयार हूं।

मेट्रो बाजार

मूडीज का दावा-7.3% की रफ्तार से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और बढ़ती विकास दर का सीधा फायदा अब देश के बीमा क्षेत्र को मिलता दिख रहा है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी हालिया रिपोर्ट में उम्मीद जतायी है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज का कहना है कि यह आर्थिक विस्तार न केवल औसत घरेलू आय को बढ़ाएगा, बल्कि बीमा कवरेज की मांग में भी जबरदस्त उछाल लाएगा। मूडीज रेटिंग्स ने भारत के आर्थिक परिदृश्य पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 मार्च 2026 में समाप्त होने वाला वर्ष में अर्थव्यवस्था 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष के 6.5 प्रतिशत से अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, आर्थिक विकास का सीधा असर प्रति व्यक्ति आय पर पड़ा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी प्रति व्यक्ति सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत बढ़कर 11,176 अमेरिकी डॉलर हो गई, जबकि हेडलाइन जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। बढ़ती आय ने लोगों की क्रय शक्ति को मजबूत किया है, जिससे वित्तीय सुरक्षा उत्पादों की मांग बढ़ी है। मूडीज ने इस वृद्धि के पीछे भारतीय उपभोक्ताओं में बढ़ती जोखिम जागरूकता और अर्थव्यवस्था के निरंतर डिजिटलीकरण को मुख्य कारण माना है। डिजिटलीकरण ने बीमा उत्पादों की बिक्री और वितरण को आसान बना दिया है, जो भारतीय बीमा विनियामक के 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य के तहत है।

गेहूं के आटे के निर्यातकों को बड़ी राहत सरकार ने पांच लाख टन शिपमेंट को दी मंजूरी

नई दिल्ली। गेहूं उत्पादक किसानों और निर्यातकों के लिए एक बड़ी खबर है। भारत सरकार ने गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक में महत्वपूर्ण ढील दी है। सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर पांच लाख टन गेहूं के आटे के निर्यात की अनुमति दे दी है। यह फैसला उद्योग के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने 2022 में घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तीन साल से अधिक के अंतराल के बाद, यह प्रतिबंधों में पहली बड़ी ढील है। भारत, जो इस कमोडिटी का एक प्रमुख उत्पादक है, अब वैश्विक बाजार में अपनी सीमित उपस्थिति फिर से दर्ज करा सकेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से 16 जनवरी को जारी अधिसूचना के अनुसार, गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात सामान्य रूप से प्रतिबंधित श्रेणी में ही रहेगा। हालांकि, मौजूदा नीतिगत शर्तों से ऊपर उठते हुए, सरकार ने विशिष्ट रूप से 5 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) तक के निर्यात की अनुमति दी है। इस कोटे का लाभ उठाने के लिए निर्यातकों को महानिदेशालय से अनुमति लेनी होगी और इसके लिए एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। यह कदम रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की बुवाई के बाद आया है, जो अक्तूबर के अंत से नवंबर तक चलती है। डीजीएफटी ने निर्यातकों के लिए आवेदन की समय सीमा और प्रक्रिया स्पष्ट कर दी है।

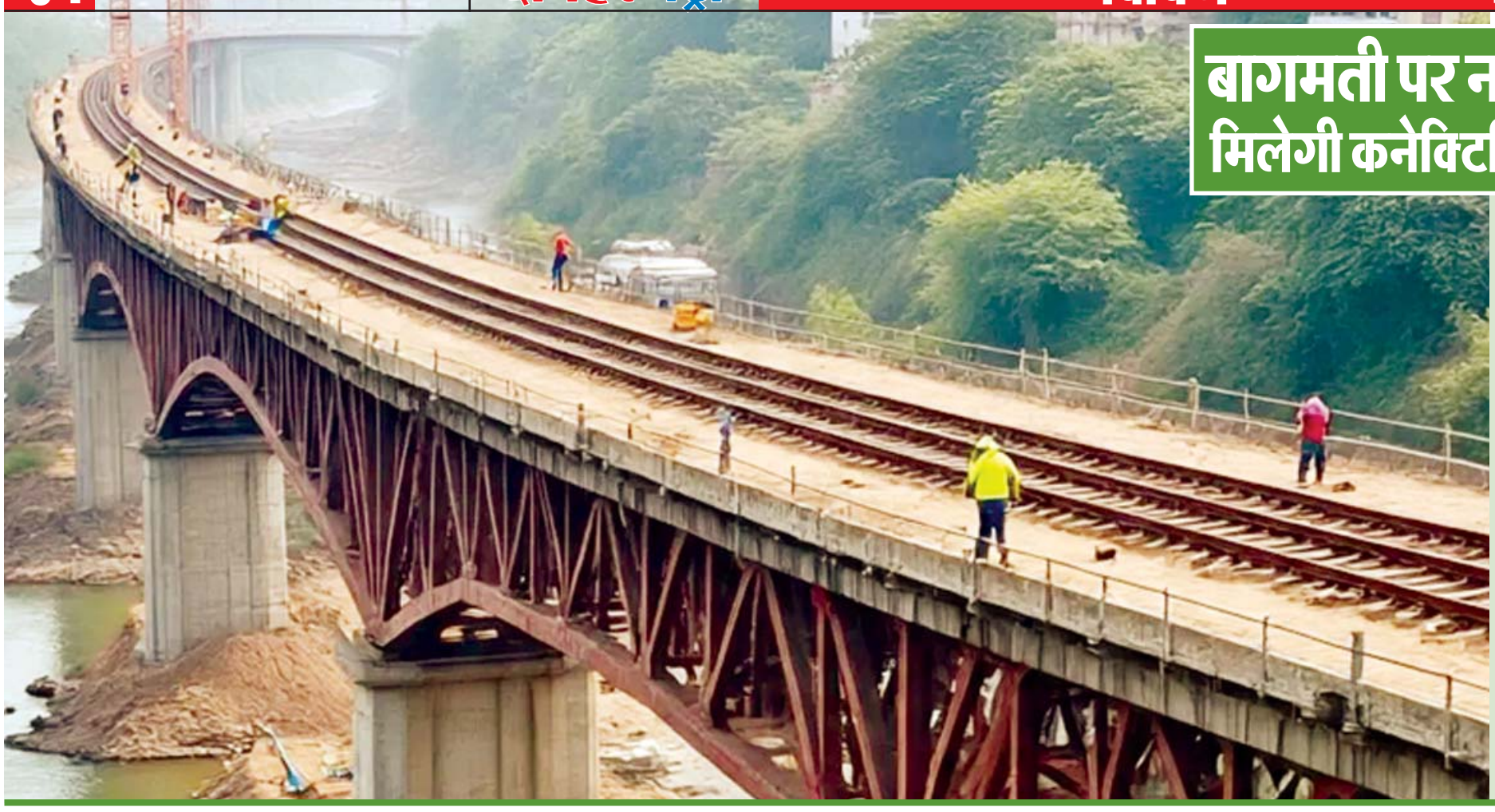

बागमती पर नया रेल पुल मिलेगी कनेक्टिविट व सुविधा

पटना। बिहार में बागमती नदी पर एक नया हाई-लेवल रेलवे पुल बनने जा रहा है, जो राज्य के पूर्वी चंपारण, शिवहर और सीतामढ़ी जिलों को मजबूत रेल नेटवर्क से जोड़ेगा। यह परियोजना एक बहुप्रतीक्षित रेलखण्ड का हिस्सा है, जिसका मकसद क्षेत्र की कनेक्टिविटी, आर्थिक गतिविधियों और आम जनता की सुविधा को और बेहतर बनाना है।रेलवे विभाग ने सीतामढ़ी-शिवहर-मोतिहारी रेलखंड के अंतर्गत शिवहर में बागमती नदी पर 61 मीटर लंबे और करीब 9 मीटर चौड़े हाई लेवल पुल का निर्माण करने का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है। यह पुल दो ट्रैक के लिए बनाया जाएगा और इसे इस रेलखंड का सबसे बड़ा पुल बताया गया है। परियोजना पर लगभग 70 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

न्यूज विंडो

थेनपेन्नई नदी महोत्सव में सिलेंडर फटा, एक की मौत, 18 घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में काणम पोंगल के मौके पर आयोजित थेनपेन्नई नदी महोत्सव उस समय मातम में बदल गया, जब गुब्बारों में गैस भरने वाला एक हीलियम सिलेंडर अचानक फट गया। इस दर्दनाक हादसे में 50 वर्षीय एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इससे पहले एक पुलिस अधिकारी ने मौत की अफवाहों का खंडन करते हुए कहा था कि विस्फोट स्थल पर तीन लोग बेहोश पाए गए और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी जांच की जा रही है।यह घटना मल्लुरपेट्टई इलाके में रात हुई, जब उत्सव लगभग समाप्त हो चुका था और लोग अपने-अपने घर लौट रहे थे। उसी दौरान बच्चों के मनोरंजन के लिए बड़े गुब्बारों में हीलियम गैस भरी जा रही थी। अचानक हुए तेज विस्फोट ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी।

चुनावी मोड में अखिलेश यादव सभी सांसदों की आज बुलाई बैठक

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज लखनऊ में अपने सभी सांसदों की बैठक बुलाई है। इसमें लोकसभा के 37 और राज्यसभा के 4 सांसद शामिल होंगे। सपा सूत्रों के मुताबिक, इसमें हर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों की स्थिति पर चर्चा होगी। बैठक का उद्देश्य वर्ष-2027 विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत रणनीति तैयार करना है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ कैंट विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने और एसआईआर संबंधी कामों पर निगरानी के लिए पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के पुत्र पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को लगाकर भविष्य की अपनी रणनीति का संकेत दे दिया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कैंट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं।सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से इस संबंध में महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी को पत्र भेजा गया है।

जगुआर ट्रक से टकराई, युवती की मौके पर मौत, तीन युवक गंभीर

नोएडा। नोएडा में सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। सेक्टर-48 के रहने वाले आयुष भाटी, नील पंवार, कुमारी फलक और अंश आज सुबह जगुआर एक्सई डीजल 2.0 मॉडल कार से भगेल की ओर से एलिवेटेड रोड होते हुए अगाहपुर की ओर जा रहे थे। बताया गया कि कार मालिक नील पंवार ही कार चला रहा था। रास्ते में ओवरटेक करने के दौरान तेज रफ्तार कार ट्रक से टकरा गई। कार चालक वाली तरफ का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में तीनों युवक घायल हो गए, जबकि सिर, चेहरे आदि जगह पर चोट लगने से फलक की मौके पर मौत हो गई।पुलिस ने फलक को लहूलुहान अवस्था में कार ने बाहर निकाला। अन्य तीनों को नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया। अन्य तीनों युवकों का उपचार चल रहा है।

सहारनपुर में 5 लोगों की मौत से हड़कंप

सहारनपुर, एजेंसी।उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सरसावा कस्बे में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक किराए के मकान में संग्रह अमीन और उनके परिवार के पांच सदस्यों के गोली लगे शव बरामद हुए। मृतकों में संग्रह अमीन अशोक (40), उनकी मां विद्यावती (70), पत्नी अंजिता (35) और दो बेटे कार्तिक (16) व देव (13) शामिल हैं।

कनपटी और माथे पर लगी गोलियां

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अशोक को कनपटी पर गोली लगी, जबकि उनकी मां, पत्नी और दोनों बेटों को माथे पर गोली मारी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार अशोक नकुड़ तहसील में संग्रह अमीन के पद पर कार्यरत था और परिवार के साथ सरसावा में किराए के मकान में रह रहा था। घटनास्थल से एक तमंचा भी बरामद किया गया है।पुलिस फिलहाल मामले को आत्महत्या की आशंका के तहत जांच रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रतलाम ड्रग फैक्ट्री केस: जनसंवाद कैंप में आरोपी व परिजनों के खिलाफ मिली थी शिकायतें

कई रसूखदार पुलिस के रडार पर दिलावर समेत 3 पर एफआईआर

रतलाम, दोपहर मेट्रो

रतलाम के चिकलाना ड्रग फैक्ट्री मामले में पुलिस का शिकंजा और कस गया है। मुख्य सरगना दिलावर खान और उसके परिवार के खिलाफ कालूखेड़ा पुलिस ने 3 नई एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस द्वारा गांव में लगाए गए जनसंवाद कैंप में कुल 8 शिकायतें मिली थीं, जिनमें से जांच के बाद तीन मामलों में तत्काल कायमी की गई है। पुलिस ने दिलावर, उसकी बहन मुमताज बी और भांजों पर मारपीट, जमीन हड़पने, जबरन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया है।

तीन पर एफआईआर दर्ज

मारपीट और धमकी: चिकलाना निवासी युनुस खां मंसुरी (33) की शिकायत पर दिलावर खान के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया गया है। यह घटना 27 जनवरी 2023 से लेकर 14 जनवरी 2026 के बीच की बताई गई है।

जमीन रजिस्ट्री का दबाव: लसुड़िया नाथी निवासी उमराव सिंह (50) की

शिकायत पर दिलावर खान के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि दिलावर ने जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए दादागिरी की और जान से मारने की धमकी दी। यह घटनाक्रम 1 जनवरी 2024 से 5 जनवरी 2026 के बीच चला।

पैतृक मकान पर कब्जा: चिकलाना निवासी जगदीश पाटीदार (44) की शिकायत पर दिलावर की बहन मुमताज बी, भांजे इमरान और रईस खान (तीनों निवासी चिकलाना) पर एफआईआर हुई है। आरोपियों ने पैतृक मकान व जमीन पर डरा-धमकाकर कब्जा कर लिया और रुपए की मांग की। न देने पर जान से मारने की धमकी दी। यह मामला 2012 से चल रहा था।

उज्जैन आईजी उमेश जोगा आज रतलाम आ रहे है और अब तक की जांच को लेकर अधिकारियों से चर्चा करेंगे। पुलिस को पूछताछ में कुछ रसूखदारों के नाम भी पता चले हैं, जिनका दिलावर के घर आना-जाना था।

भांजे के घर दबिश युवती हिरासत में

जांच के दौरान सोमवार रात पुलिस टीम ने चिकलाना में दिलावर के घर के पास रहने वाले उसके भांजे हसन खान के मकान पर भी दबिश दी। पुलिस ने वहां से एक युवती को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है और सीसीटीवी फुटेज चेक किए हैं। फिलहाल अधिकारी इसे 'पार्ट ऑफ इन्वेस्टिगेशन' बता रहे हैं।पुलिस ने 15 जनवरी की रात दिलावर के घर छापा मारकर करीब 10 करोड़ की 10 किलो 930 ग्राम एमडी ड्रग और हथियार जब्त किए थे। तलाशी में दिलावर के घर से जमीनों की 200 से 300 रजिस्ट्रियां और एग्रीमेंट मिले थे, जो इतने ज्यादा थे कि तीन बोरे भर गए। दिलावर ब्याज पर रुपए देकर लोगों की जमीनें हड़प लेता था। मामले में दिलावर, उसकी बेटी, दामाद और बेटे समेत 11 आरोपी 22 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर हैं, जबकि पत्नियां और बहू जेल में हैं।

कैसे बन गए शंकराचार्य...जवाब दो

अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला प्राधिकरण का नोटिस

प्रयागराज, एजेंसी

माघ मेला में मौनी अमावस्या के स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की शोभायात्रा पर रोक के बाद पनपे विवाद में एक नया मोड़ आ गया है। माघ मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है कि सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद उन्होंने अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' क्यों लगाया है?

मेला प्राधिकरण ने नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन सिविल अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि अभी तक इस संदर्भ में कोई आदेश पारित नहीं हुआ है, ऐसे में कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं हो सकता। बावजूद इसके स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला क्षेत्र में लगे शिविर के बोर्ड पर अपने नाम के आगे 'शंकराचार्य' अंकित किया है।प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को 24 घंटे के भीतर इसमें सुधार करने को कहा है साथ ही इसका कारण भी बताने को कहा है।बता दें कि माघ मेला में मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर संगम में शोभायात्रा के साथ स्नान करने जा रहे जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को रोके जाने का विवाद गहरा गया है। स्वयं के अपमान और अपने शिष्यों के साथ पुलिस की अभद्रता से आहत वह मेला प्रशासन के खिलाफ धरने पर बैठे हैं। मौनी अमावस्या महापर्व के महास्नान पर रविवार को स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के डुबकी न लगाने के प्रकरण में सोमवार दोपहर को स्वामी ने मीडिया से बात की तो पुलिस-प्रशासन के उच्चाधिकारियों ने भी अपना पक्ष रखा।

मध्यप्रदेश मोदी के क्रांतिकारी विकास मार्ग पर: सीएम

आलोक मेहता ने मुख्यमंत्री को भेंट की अपनी नई किताब की प्रति

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि मप्र सरकार प्रधानमंत्री मोदी के ' विकास मॉडल ' पर तेजी से आर्थिक प्रगति के लिए काम कर रही है। बड़े पैमाने पर देशी विदेशी पूंजी नियोजन से औद्योगिक प्रगति , रोजगार , स्टार्टस अप , शिक्षा, स्वास्थ्य , ग्रामीण विकास की योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है । वरिष्ठ संपादक व लेखक पद्मश्री आलोक मेहता की पुस्तक ' रिवॉल्यूशनरी राज - नरेंद्र मोदीस 25 इयर्स ' की प्रति ग्रहण करते हुए उन्होंने यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कि 'प्रधान मंत्री की नई शिक्षा नीति को लागू करने में अग्रणी रहते हुए हमने सम्पूर्ण प्रदेश में पुस्तकों के महत्व को बढ़ाने के लिए गीता भवन निर्माण योजना में पुस्तकालयों का प्रावधान भी किया है । इस पुस्तक में उल्लेखित समाज कल्याण , महिला उत्थान , युवाओं में अनुशासन और आत्म निर्भर विकसित भारत के मोदीजी के सपनों को साकार करने के लिए हम प्रतिबद्ध है ।

मुख्यमंत्री ने पुस्तक की विस्तृत भूमिका देश के गृह

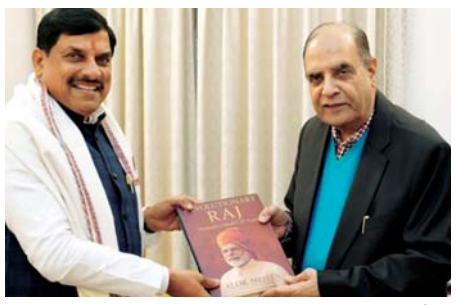

मंत्री अमित शाह द्वारा लिखी जाने को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि ' श्री शाह बाहरी आतंकवाद के साथ नक्सल समस्या से निपटने के लिए मोदीजी के संकल्प क्रियान्वित करने से देश को विकास की दिशा में आगे ले जा रहे हैं। प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के आदर्शों विचारों को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने में ऐसी पुस्तक महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। इसे शिक्षा संस्थानों और पुस्तकालयों में पहुँचाना चाहिए।

मेट्रो एंकर — दया के नाम पर धोखा: तीन मकान, कार और ऑटो का मालिक, सराफा व्यापारियों को देता है ब्याज पर रुपए

कार से भीख मांगने आता था इंदौर का करोड़पति भिखारी

इंदौर, एजेंसी

इंदौर के सराफा बाजार में वर्षों से भीख मांग रहा मांगीलाल असल में करोड़ों की संपत्ति का मालिक निकला। यह खुलासा तब हुआ, जब महिला एवं बाल विकास विभाग ने भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत उसे रेस्क्यू किया।

प्रशासन ने मांगीलाल को उज्जैन के सेवाधाम आश्रम भेज दिया है। यहां आश्रम के संचालक सुधीर भाई गोयल मांगीलाल की देखरेख में लगे हैं। वहीं उसकी संपत्ति, बैंक अकाउंट की जांच की जा रही है। उन सराफा व्यापारियों से भी बात की जाएगी जो मांगीलाल से पैसा उधार लेते थे।

मांगीलाल सराफा की गलियों में लकड़ी की फिसलने वाली गाड़ी, पीठ पर बैग और हाथ में जूते के सहारे लोगों की सहानुभूति लेता था। वह किसी से सीधे तौर पर भीख नहीं मांगता था, बल्कि लोगों के पास जाकर खड़ा हो जाता था, जिसके बाद लोग स्वयं उसे पैसे दे देते थे। पूछताछ में सामने आया कि वह प्रतिदिन करीब 500 से 1000 रुपए तक की आमदनी कर रहा था।

सूदखोरी मामले में हो सकती है कार्रवाई

जिला कार्यक्रम अधिकारी रजनीश सिन्हा ने पुष्टि की कि भीख मांगने को बढ़ावा देने के लिए भी मांगीलाल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वह सूदखोरी में भी शामिल है, जो एक अपराध है। इसके ठोस प्रमाण मिलने पर भी उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इंदौर में फरवरी 2024 से भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। प्रारंभिक सर्वे में 6500 भिक्षुक सामने आए थे, जिनमें से 4500 की काउंसलिंग कर भिक्षावृत्ति छुड़वाई गई है। वहीं 1600 भिक्षुकों को रेस्क्यू कर उज्जैन स्थित सेवाधाम आश्रम भेजा गया है और 172 बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भिक्षावृत्ति करने वालों के साथ-साथ इसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ भी आगे सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार चलाने के लिए ड्राइवर भी रखा

मांगीलाल के पास तीन ऑटो हैं, जिन्हें वह किराए पर चलाता है और एक डिजायर कार भी है, जिसे चलाने के लिए उसने ड्राइवर रखा हुआ है। पूछताछ के दौरान मांगीलाल ने स्वीकार किया कि भीख से मिलने वाले पैसों का उपयोग वह सराफा क्षेत्र के कुछ व्यापारियों को ब्याज पर कर्ज देने में करता था। रेस्क्यू दल के नोडल अधिकारी दिनेश मिश्रा के अनुसार, जांच में यह भी सामने आया कि मांगीलाल के पास शहर के अलग-अलग इलाकों में तीन पक्के मकान हैं। भगत सिंह नगर में उसके नाम पर 16 बाय 45 फीट का तीन मंजिला मकान है। शिवनगर में 600 वर्गफीट का मकान और अलवास में 10 बाय 20 फीट का वन बीएचके मकान है। एक मकान सरकार ने विकलांगता के आधार पर उपलब्ध कराया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564